सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 233, नई दिल्ली । शनिवार, 02 नवम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

यह मत मानिए कि जीत ही सब कुछ है, महत्वपूर्ण यह है कि आप किस उद्देश्य के लिए जीतना चाहते हैं...

03 दीवाली की रात खूनी खेल, चाकू से ताबड़तोड़ वार कर शख्स की हत्या

06 एक देश एक शिक्षा प्रणाली

08 सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को होने जा रहे हैं रिटायर.

पटाखों के धुएं में उड़ा प्रतिबंध, हवा बनी रही 'बहुत खराब'

बीते दो सालों में रहा सबसे ज्यादा एक्यूआई

संजय बाटला

गुरुवार को दीवाली वाले दिन पटाखे जलने से पहले शाम छह-सात बजे तक राजधानी दिल्ली का प्रदूषण अपेक्षाकृत कम था हवा भी चल रही थी। लेकिन शाम आठ बजे के बाद जब पटाखे जलने शुरू हुए तो इसमें इजाफा होने लगा। यह हर घंटे बढ़ता गया। बृहस्पतिवार शाम सात बजे दिल्ली का एक्यूआई 327 यानी बहुत खराब श्रेणी में था।

नई दिल्ली। दीवाली की रात पटाखे जलाने पर दिल्ली में लगा प्रतिबंध पटाखों के ही धुएं में उड़ता नजर आया। राष्ट्रीय राजधानी में आधी रात के बाद तक खूब पटाखे जले। वहीं एनसीआर के शहरों में कोई प्रतिबंध नहीं था तो वहां भी जमकर पटाखे जले।

इसी का असर रहा कि पिछले दो साल के मुकाबले इस साल दीवाली के दिन एक्यूआई ज्यादा दर्ज हुआ। हालांकि तेज हवा चलने से राहत भी रही और पूर्वानुमान के मद्देनजर एनसीआर में कहीं का भी एक्यूआई गंभीर श्रेणी में नहीं पहुंचा। दीवाली के अगले दिन शुक्रवार को भी एक्यूआई बीते वर्ष की तुलना में थोड़ा कम रहा।

पटाखे चलने से पहले अपेक्षाकृत कम था प्रदूषण

बृहस्पतिवार को दीवाली वाले दिन पटाखे जलने से पहले शाम छह-सात बजे तक दिल्ली का प्रदूषण अपेक्षाकृत कम था, हवा भी चल रही थी। लेकिन शाम आठ बजे के बाद जब पटाखे जलने शुरू हुए तो इसमें इजाफा होने लगा। यह हर घंटे बढ़ता गया। बृहस्पतिवार शाम सात बजे दिल्ली का एक्यूआई 327 यानी 'बहुत खराब' श्रेणी में था। रात 11 बजे के लगभग यह 330 दर्ज किया गया और शुक्रवार सुबह सात बजे 362 तक हो गया। इस दौरान हवा की गति मंद पड़ने पर स्मॉग की चादर भी देखने को मिली।

पराली के धुएं की हिस्सेदारी 27 प्रतिशत तक पहुंची

आइआइटीएम पुणे के डिसीजन सपोर्ट सिस्टम की मानें तो पड़ोसी राज्यों, विशेष रूप से पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने से पीएम 2.5 प्रदूषण में 27 प्रतिशत तक प्रदूषण रहा। पराली जलाने के मामले भी एक ही दिन में 900 से ऊपर दर्ज किए गए। आंकड़ों में यह भी पाया गया कि परिवहन - शहर में प्रदूषण का एक अन्य प्रमुख कारण रहा, जिसने 13 प्रतिशत का योगदान दिया है।

16 किमी प्रति घंटे तक रही हवा की रफ्तार

मौसम विभाग के मुताबिक दीवाली पर हवा की दिशा उत्तर पश्चिमी थी। इसकी रफ्तार बृहस्पतिवार पूर्वाहन साढ़े 11 बजे से शाम छह बजे तक 12 से 16 किमी प्रति घंटा रही। जबकि इसके बाद शुक्रवार सुबह तक तीन से सात किमी प्रति घंटा दर्ज की गई।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) सीनियर प्रोग्राम लीड अभिषेक कर कहते हैं, "इस साल दीवाली पर पिछले साल की तुलना में एक्यूआइ कम बढ़ा। वायु प्रदूषण में वृद्धि रोकने में अनुकूल मौसम ने अहम भूमिका निभाई। हालांकि पंजाब और हरियाणा जैसे दिल्ली की तरफ हवा के बहाव वाले राज्यों में पराली जलाने के मामलों में बढ़ोतरी के कारण आने वाले दिनों में वायु गुणवत्ता की समस्या बनी रहेगी।

एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम के अनुसार, अगले सात दिनों के लिए एक्यूआई लगातार 350 से ऊपर बने रहने का अनुमान है और कभी-कभी 400 के निशान को भी पार कर जाएगा। इसलिए अधिकारियों को उन राज्यों में पराली जलाने पर कड़ाई से रोक लगानी चाहिए। पराली जलाने पर रोक लगाने के अलावा अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि परिवहन और धूल से होने वाले उत्सर्जन को रोकने के लिए ग्रेप के तहत निर्धारित उपायों को सख्ती से लागू किया जाए।"

2015 से 2024 के बीच दिल्ली का एयर इंडेक्स

साल	दीवाली से पहले		दीवाली पर अगले दिन
2024	307	328	339
2023	220	218	358
2022	259	312	303
2021	319	382	462
2020	339	414	435
2019	287	337	368
2018	338	281	390
2017	302	319	403
2016	404	431	445
2015	353	343	360

(स्रोत: सीपीसीबी)

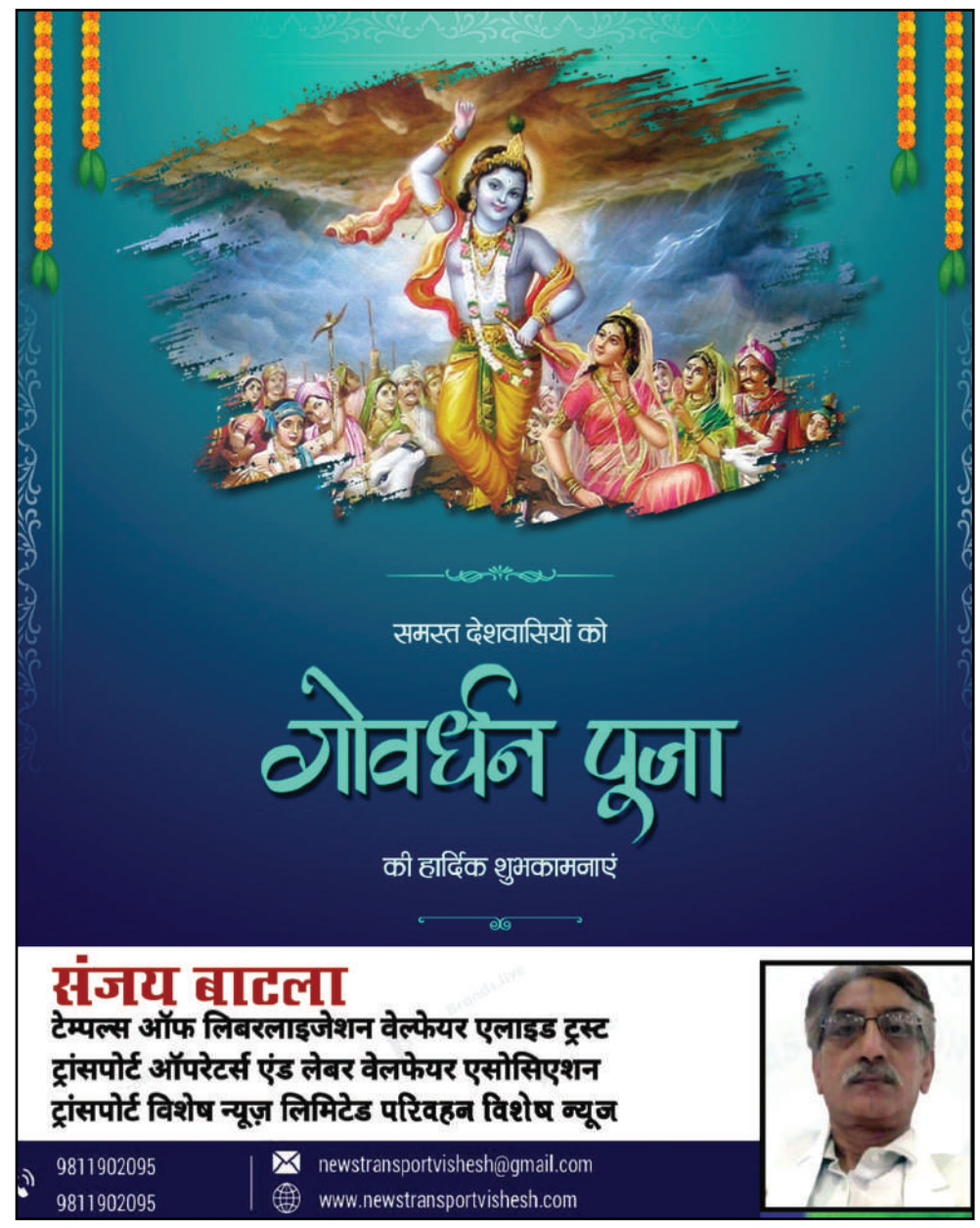

वापस यात्रियों को छोड़ने के लिए दिल्ली, चंडीगढ़ जाएंगे स्पेशल बसें

परिवहन विशेष न्यूज

चंबा। परिवहन निगम के चंबा डिपो से यात्रियों के लिए दिल्ली, चंडीगढ़ और बद्दी के लिए भेजी गईं बसें दीपावली पर वापस पहुंच गई हैं। अब इन बसों को दोबारा यात्रियों को वापस छोड़ने के लिए भेजा जाएगा।

मांग ज्यादा आने पर और बसें भी भेजने का दावा निगम प्रबंधन कर रहा है। परिवहन निगम ने दीपावली पर छह से अधिक विशेष बसें भेजी थीं। ये बसें अब दोबारा यात्रियों को वापस ले जाने के लिए भेजी जा सकती हैं। फिलहाल, ये बसें निर्धारित रूटों पर दौड़ रही हैं।

बता दें कि निगम ने 27 अक्तूबर को बाहरी जिलों और राज्यों में रहने वाले लोगों को दीपावली पर घर लाने के लिए स्पेशल छह बसें भेजी थीं। निगम हर साल ही दीपावली पर विशेष बसें चलाता है। हालांकि, चंबा डिपो में बसों की कमी चल रही है, लेकिन निगम प्रबंधन ने लोगों की मांग पर स्पेशल बसें चलाई हैं। यही बसें लोगों को बाहरी जिलों और राज्यों तक छोड़ने जाएंगी। निगम ने दावा किया है कि जरूरत पड़ने पर और बसें लोगों को वापस छोड़ने के लिए भेजी जाएंगी। उधर, एचआरटीसी के क्षेत्रीय प्रबंधक शुगल सिंह ने कहा कि यही स्पेशल बसें लोगों को वापस छोड़ने के लिए जाएंगी। जरूरत पड़ने पर और बसों की भी व्यवस्था की जाएगी।

दिल्ली में अब प्रदूषण पर लगेगी लगाम? पर्यावरण मंत्री ने 200 मोबाइल एंटी-स्मॉग गन को दिखाई हरी झंडी

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय आज राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रण करने के उद्देश्य से एंटी-स्मॉग गन को हरी झंडी दिखाई। पूरे शहर में 200 एंटी-स्मॉग गन तैनात किए जाएंगे। बीते कुछ समय से दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति बनी हुई है। जिसका सबसे बड़ा कारण पराली है। गोपाल राय ने कहा कि दूसरे शहरों के हालात भी लगभग ऐसे ही रहे।

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एंटी-स्मॉग गन को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पूरे शहर में 200 एंटी-स्मॉग गन तैनात की जाएंगी।

चार दिन पहले, दिल्ली में AQI 350 के आंकड़े को पार कर गया था। यह माना गया था कि दीवाली के अगले दिन, AQI 400 के आंकड़े को पार कर जाएगा। लेकिन, मैं दिल्ली की जनता और उनके संयुक्त प्रयासों के लिए धन्यवाद देता हूं दिल्ली में आज AQI 360 है।

200 मोबाइल एंटी-स्मॉग गन की होगी तैनाती

दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए AAP सरकार दिल्ली में जल छिड़काव अभियान शुरू कर रही है, दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में दो मोबाइल एंटी-स्मॉग गन तैनात की जाएंगी जो छिड़काव करेंगी। 200 मोबाइल एंटी-स्मॉग गन तैनात की जाएंगी।

दीवाली उत्सव के बाद राष्ट्रीय राजधानी का AQI सबसे खराब स्तर पर पहुंच गया और स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया। दीवाली के अगले दिन शुक्रवार को प्रमुख शहरों में धुंध की मोटी परत छा गई, जिससे इन क्षेत्रों में हवा की गुणवत्ता काफी खराब हो गई और श्वसन संबंधी समस्याएं और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो गईं।

पिछले कुछ दिनों से वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, राजधानी के अधिकांश क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 350 से अधिक दर्ज किया गया, जिससे निवासियों के लिए स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ गईं।

युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध अभियान के तहत दिल्ली सचिवालय से पर्यावरण मंत्री गोपाल राय द्वारा रवाना की गई एंटी स्मॉग गन सड़क कर पानी का छिड़काव करते हुए। ध्रुव कुमार

मंत्री राय ने कहा कि सरकार जल्द ही राजधानी भर में पानी के छिड़काव की आवृत्ति बढ़ाएगी। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में है। लोगों ने अनुमान लगाया था कि दीवाली के अगले दिन दिल्ली में वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि होगी, लेकिन हम प्रदूषण के स्तर को देख सकते हैं नियंत्रण में रहा है।

"यह दिल्ली के लोगों और सभी विभागों के सामूहिक प्रयासों की सफलता है। मैं दिल्ली के लोगों को दीये जलाकर और पटाखे न जलाकर जिम्मेदार नागरिक के रूप में कार्य करने और प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने में योगदान देने के लिए बधाई देता हूं। मुझे उम्मीद है कि अगले साल तक हम पटाखे जलाने वालों को भी ये बात समझा सकेंगे"

उन्होंने आगे कहा कि आज से हम वायु प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने के लिए पूरी दिल्ली में पानी का छिड़काव बढ़ा रहे हैं। बड़े पैमाने पर पटाखे नहीं फोड़े गए, यह दिल्ली के लोगों की बदलती मानसिकता को दर्शाता है।

आनंद विहार में, AQI 395 दर्ज किया गया, जबकि आया नगर में 352, जहांगीरपुरी में 390 और द्वारका में 376 तक पहुंच गया। इन सभी क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का स्तर 'बहुत खराब' दर्ज किया गया, जिससे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम पैदा हुए। प्रदूषण का मुद्दा दिल्ली तक ही सीमित नहीं था।

चेन्नई और मुंबई जैसे अन्य शहरों में भी इसी तरह की स्थिति दर्ज की गई, जहां बड़े क्षेत्रों पर धुंध और खराब वायु गुणवत्ता का प्रभाव पड़ा और निवासियों ने समारोहों से जुड़े प्रदूषण के स्तर के बारे में अपनी चिंताएं व्यक्त कीं।

अंबाला से दिल्ली तक परिवहन विभाग में चला विज का जादू, मंत्री बोले- अभी दिखाया ट्रेलर पिक्चर बाकी

परिवहन विशेष न्यूज

हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने अपने पदभार ग्रहण करने के पहले ही दिन से परिवहन विभाग में बदलाव लाने की शुरुआत कर दी है। अंबाला से लेकर दिल्ली तक सभी बस स्टैंड को चमकाने का काम किया जा रहा है। पीने का पानी शौचालय साफ-सफाई बिजली पंखे लगाने के साथ-साथ अतिक्रमण को हटाकर सवारियों के बैठने की व्यवस्था की जा रही है।

अंबाला। मंत्री बनने के पहले दिन के ट्रेलर को देखकर अंबाला से लेकर दिल्ली तक परिवहन विभाग में अनिल विज का जादू चला है।

इस रूट पर सभी बस स्टैंड को चमकाने का काम किया जा रहा है, पीने का पानी, शौचालय, साफ-सफाई, बिजली पंखे लगाने के साथ-साथ अतिक्रमण को हटाकर सवारियों के बैठने की व्यवस्था की जा रही हैं।

जब सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए बस अड्डों पर पैसा खर्च किया है तो इसकी सुविधा लोगों को जरूर मिलनी चाहिए। परिवहन, ऊर्जा एवं श्रम राज्यमंत्री अनिल विज ने छावनी में लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह के पास आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में बोलते हुए यह बात कही।

बैठकों से पहले कैबिनेट मंत्री ने तैयार की स्क्रिप्ट

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि परिवहन, श्रम व उर्जा विभाग का मंत्री बनने के बाद विभागीय अधिकारियों को केवल ट्रेलर ही दिखाया है लेकिन पिक्चर दिखाना अभी बाकी है। इन विभागों की बैठक 5, 6 व 7 नवंबर को रखी गई हैं।

इन बैठकों में विभागीय विकास कार्यों को तेज गति से आगे ले जाने और लोगों को सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए पूरी स्क्रिप्ट तैयार कर ली गई है। इससे पहले 4 नवंबर को कार्यकर्ताओं व नागरिकों का धन्यवाद करने के लिए कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

देश की संस्कृति को समाप्त करना चाहती है दिल्ली सरकार

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि देश में पहली बार लोग दो दिन दिवाली मना रहें हैं। इस दिवाली से पहले 500 साल के बाद श्री रामलला अयोध्या में विराजे हैं, इसलिए पूरा देश इस जश्न में डूबा हुआ है। इस पावन पर्व पर लोग मिठाइयां बांट रहे हैं और खूब पटाखे जला रहें हैं।

उन्होंने दिल्ली सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि दिल्ली की सरकार देश की संस्कृति को समाप्त करना चाहती हैं। इस सरकार के नुमाइंदे लार्ड की नीतियों का अनुसरण कर रहें हैं।

इन नीतियों का अनुसरण कर देश की संस्कृति व तीज त्योहारों को दिल्ली सरकार खत्म करना चाहती है लेकिन हजारों वर्ष पुरानी इस देश की संस्कृति व आस्था पर कोई प्रहार न करें, सभी अपना-अपना काम करें।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

दिवाली के अगले दिन क्यों की जाती है गोवर्धन पूजा, जानिए कारण और महत्व

हर साल कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाता है। आमतौर पर यह पर्व दीपावली के अगले दिन मनाया जाता है। इस पर्व को मनाने के पीछे का कारण भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ा है।

हिन्दू धर्म के लोगों के लिए गोवर्धन पूजा का महत्व सबसे अधिक होता है। मुख्य रूप से उत्तर भारत में इस पर्व को बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। गोवर्धन पूजा को अन्नकूट पूजा के नाम से भी जाना जाता है। हर साल कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाता है। आमतौर पर यह पर्व दीपावली के अगले दिन मनाया जाता है। इस पर्व को मनाने के पीछे का कारण भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ा है। इस बार 02 नवंबर 2024 को गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जा रहा है। तो आइए जानते हैं गोवर्धन पूजा का कारण और इसके महत्व के बारे में...

गोवर्धन पूजा का महत्व सबसे अधिक होता है। यह त्यौहार ज्यादातर लोग धूमधाम से मनाते हैं। गोवर्धन पूजा को अन्नकूट पूजा के नाम से भी जाना जाता है। यह त्यौहार कार्तिक महीने में शुक्ल पक्ष के पहले दिन यानी प्रतिपदा को मनाया जाता है और आमतौर पर यह दिवाली के पर्व के अगले दिन ही मनाया जाता है। इस त्यौहार को मनाने के पीछे का कारण भगवान कृष्ण से जुड़ा हुआ है लेकिन इस त्यौहार को मनाने का क्या महत्व है इसके बारे में हम आपको इस लेख में बताएंगे।

गोवर्धन पूजा मनाने की वजह

गोवर्धन पूजा मनाने के पीछे पौराणिक कथा है। कथा के मुताबिक एक बार भगवान इंद्रदेव ने ब्रज गांव में बारिश करना शुरूकर दी। जिसकी वजह से ब्रज में बाढ़ आ गई और बृजवासियों में त्राहि-त्राहि मच गई। तब भगवान श्रीकृष्ण ने बृजवासियों की रक्षा के लिए अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठा लिया और सभी बृजवासी गोवर्धन पर्वत के नीचे आ गए। कई दिन के तेज तूफान और बारिश के बाद भी बृजवासियों को अप्रभावित देख इंद्रदेव ने हार मान ली और बारिश को रोक दिया।

इसलिए इस दिन को एक पर्व के तौर पर मनाया जाने लगा और इस पूजा का अलग महत्व है। भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्रदेव के घमंड को चूर कर दिया और सभी ब्रजवासी उस दिन से भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना करने लगे। जिसके बाद से गोवर्धन पूजा की जाने लगी।

गोवर्धन पूजा का महत्व

बता दें कि गोवर्धन पूजा करने वाले व्यक्ति का सीधा संबंध प्रकृति से होा है। हिंदू धर्म की मान्यता के मुताबिक गोवर्धन पूजा में गोबर से बने पर्वत की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है और भगवान श्रीकृष्ण को भोग लगाया जाता है। इससे जातक की मनोकामना की पूर्ति होती है। इस दिन गाय की पूजा का भी विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करने से भी व्यक्ति को पूजा करने वाले व्यक्ति की इच्छानुसार फल मिलता है। जो भी व्यक्ति गोवर्धन पूजा करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और परिवार सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है।

गोवर्धन पूजा के लिए भगवान श्रीकृष्ण को 56 भोग अर्पित करने का विधान है। भगवान श्रीकृष्ण को लगाए गए भोग को अन्नकूट भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन भगवान श्रीकृष्ण को यह भोग लगाने से व्यक्ति के जीवन में कभी अन्न खत्म नहीं होता है।

भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ा है गोवर्धन पूजा का पर्व, जानिए इसका आध्यात्मिक महत्व

इस बार 02 नवंबर 2024 को गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाएगा। गोवर्धन पूजा का पर्व मनाने के पीछे कई पौराणिक कहानियां हैं। ऐसे में आज हम आपको इस पर्व से जुड़े रीति-रिवाज और मान्यताओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

दीपावली के महापर्व की शुरूआत होने के साथ ही गोवर्धन पूजा भी बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। दिवाली के अगले दिन यानी की कार्तिक माहक के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाता है। बता दें कि इस बार 02 नवंबर 2024 को गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाएगा। गोवर्धन पूजा का पर्व मनाने के पीछे कई पौराणिक कहानियां हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस पर्व से जुड़े रीति-रिवाज और मान्यताओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

क्यों मनाया जाता है गोवर्धन पूजा

धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान कृष्ण ने मूसलाधार वर्षा से ब्रजवासियों को बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को सात दिनों तक अपनी सबसे छोटी अंगुली पर उठाए रखा। तब से गोवर्धन पर्वत पूजने की परंपरा की शुरूआत हुई। इस दिन अन्नकूट का भोग लगाया जाता है। बता दें कि गुर्जर समाज में इस पर्व का विशेष महत्व होता है। गुर्जर समुदाय के लोग आज भी अपने घरों में गोवर्धन महाराज को विराजमान करते हैं।

पूजा विधि

वहीं शाम के समय गोवर्धन महाराज की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। पूजा की थाली में हल्दी, कुमकुम, खील-बताशे पूआ-पूड़ी और अन्य कई तरह के पकवान रखे जाते हैं। इसके साथ ही गोवर्धन के पास दूध बिलोने वाली रई और लठ भी रखा जाता है। इसके बाद मंत्रोच्चार कर शुभ फल की कामना की जाती है। हालांकि अलग-अलग प्रदेशों में अलग-अलग तरह से गोवर्धन पूजा की जाती है।

गोवर्धन पर गाय की पूजा करने से उतर जाते हैं सभी पाप

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को मनाये जाने वाले इस पर्व के दिन बलि पूजा, मार्गपाली आदि उत्सवों को भी मनाने की परम्परा है। इस दिन भगवान को तरह तरह के व्यंजनों के भोग लगाये जाते हैं और उनके प्रसाद का लंगर लगाया जाता है।

गोवर्धन पूजा पर्व को अन्नकूट पर्व के नाम से भी जाना जाता है। दीपावली के अगले दिन मनाये जाने वाले इस त्योहार की विशेष छटा ब्रज में देखने को मिलती है। गोवर्धन पूजा में गोधन यानी गायों की पूजा की जाती है। देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख समृद्धि प्रदान करती हैं उसी प्रकार गौ माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रूपी धन प्रदान करती हैं। मान्यता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को मूसलधार वर्षा से बचने के लिए सात दिन तक गोवर्धन पर्वत को अपनी सबसे छोटी उंगली पर उठाकर रखा था तो गोप-गोपिकाएं उसकी छाया में सुखपूर्वक रहे। सातवें दिन भगवान ने गोवर्धन पर्वत को नीचे रखा और हर वर्ष गोवर्धन पूजा करके अन्नकूट उत्सव मनाने की आज्ञा दी। तभी से यह पर्व अन्नकूट के नाम से मनाया जाने लगा।

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को मनाये जाने वाले इस पर्व के दिन बलि पूजा, मार्गपाली आदि उत्सवों को भी मनाने की परम्परा है। इस दिन भगवान को तरहतरह के व्यंजनों के भोग लगाये जाते हैं और उनके प्रसाद का लंगर लगाया जाता है। इस दिन गायबैल आदि पशुओं को स्नान कराकर फूलमाला, धूप, चंदन आदि से उनका पूजन किया जाता है। गायों को मिठाई खिलाकर उनकी आरती उतारी जाती है तथा प्रदक्षिणा की जाती है। गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर जल, मौली, रोली चावल लगाकर पूजा करते हैं तथा परिक्रमा करते हैं। मान्यता है कि इस दिन गाय की पूजा करने से सभी पाप उतर जाते हैं और मोक्ष प्राप्त होता है।

कथा एक बार श्रीकृष्ण गोपगोपियों के साथ गायें चराते हुए गोवर्धन पर्वत की तराई में पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि हजारों गोपियां गोवर्धन पर्वत के पास छप्पन प्रकार के भोजन रखकर बड़े उत्साह से नाच गाकर उत्सव मना रही हैं। श्रीकृष्ण के पूछने पर गोपियों ने बताया कि मेघों के स्वामी इन्द्र को प्रसन्न रखने के लिए प्रतिवर्ष यह उत्सव होता है। श्रीकृष्ण बोले यदि देवता प्रत्यक्ष आकर भोग लगाएं, तब तो इस उत्सव की कुछ कीमत है। गोपियां बोलीं तुम्हें इन्द्र की निन्दा नहीं करनी चाहिए। इन्द्र की कृपा से ही वर्षा होती है।

श्रीकृष्ण बोले वर्षा तो गोवर्धन पर्वत के कारण होती है, हमें इन्द्र की जगह गोवर्धन पर्वत की पूजा करनी चाहिए। सभी गोपग्वाल अपनेअपने घरों से पकवान लालाकर श्रीकृष्ण की बताई विधि से गोवर्धन की पूजा करने लगे। इन्द्र को जब पता चला कि इस वर्ष मेरी पूजा न होकर गोवर्धन की पूजा की जा रही है तो वह कुपित हुए और मेघों को आज्ञा दी कि गोकुल में जाकर इतना पानी बरसायें कि वहां पर प्रलय का दृश्य उत्पन्न हो जाये।

मेघ इन्द्र की आज्ञा से मूसलाधार वर्षा करने लगे। श्रीकृष्ण ने सब गोपगोपियों को आदेश दिया कि सब अपनेअपने गायों बछड़ों को लेकर गोवर्धन पर्वत की तराई में पहुंच जाएं। गोवर्धन ही मेघों की रक्षा करेंगे। सब गोपगोपियां अपनेअपने गायबछड़ों, बैलों को लेकर गोवर्धन पर्वत की तराई में पहुंच गये। श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठ उंगली पर धारणकर छाता सा तान दिया। सब ब्रजवासी सात दिन तक गोवर्धन पर्वत की शरण में रहे। सुदर्शन चक्र के प्रभाव से ब्रजवासियों पर जल की एक बूंद भी नहीं गिरी।

ब्रह्माजी ने इन्द्र को बताया कि पृथ्वी पर श्रीकृष्ण ने जन्म ले लिया है। उनसे तुम्हारा बैर लेना उचित नहीं है। श्रीकृष्ण अवतार की बात जानकर इन्द्रदेव लज्जित हुए तथा भगवान श्रीकृष्ण से क्षमायाचना करने लगे। श्रीकृष्ण ने सातवें दिन गोवर्धन पर्वत को नीचे रखकर ब्रजवासियों से कहा कि अब तुम प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजा कर अन्नकूट का पर्व मनाया करो। तभी यह यह गोवर्धन पर्व के रूप में प्रचलित हो गया।

गूगल पर रूस ने क्यों लगाया दुनियाभर की जीडीपी के बराबर जुर्माना? जानें यहां पूरा मामला

गूगल पर रूस ने पूरी दुनियाभर की जीडीपी के बराबर जुर्माना लगाया है। जिसे चुका पाना गूगल के बस की बात नहीं है। आमतौर पर टेक कंपनियों पर प्रत्येक कुछ महीने में जुर्माना लगता रहता है और टेक कंपनियां उस जुर्माने की भरपाई भी करती हैं लेकिन इस बार गूगल पर जो जुर्माना लगा है उसकी रकम इतनी ही भरपाई की ही नहीं जा सकती है।

बता दें कि, रूस की एक अदालत ने गूगल पर एक असामान्य रूप से भारी जुर्माना लगाया है जिसकी राशि दो अनडेसिलियन रूबल्स यानी 20,000,000,000,000,000,000,000,000,000,000,000 अमेरिकी डॉलर (2 के बाद 36 शून्य) है। गूगल के लगभग 2 ट्रिलियन डॉल के कुल मूल्यांकन की तुलना में ये जुर्माना कहीं ज्यादा है। और यहां तक कि ये राशि विश्व की कुल जीडीपी द्वारा 110 ट्रिलियन डॉलर के आसपास अनुमानित किया गया है से भी कहीं ज्यादा है।

क्यों लगा इतना बड़ा जुर्नामा

गूगल पर लगे इसे विशाल जुर्माने का कारण गूगल द्वारा रूसी राज्य मीडिया चैनलों के कंटेंट पर यूट्यूब पर लगाए गए प्रतिबंध हैं। रूसी सरकारी समाचार एजेंसी TASS के अनुसार ये जुर्माना लगातार बढ़ता जा रहा है। TASS के मुताबिक क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि वे इस संख्या का उच्चारण भी नहीं कर सकते, लेकिन उन्होंने गूगल प्रबंधन से इस पर ध्यान देने का आग्रह किया। गूगल ने इस जुर्माने पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है।

इस घटना रूस और इस अमेरिकी कंपनी गूगल के बीच तनाव को एक नई ऊंचाई पर ले जाती है। इससे पहले मई 2021 में रूस के मीडिया नियामक रोसकोम्नाडजोर ने गूगल पर आरोप लगाया था कि उसने RT और Sputnik जैसे रूसी मीडिया आउटलेट्स के लिए यूट्यूब का एक्सेस बैन कर दिया था।

जुलाई 2022 में रूस ने गूगल पर 21.1 बिलियन रूबल का जुर्माना लगाया था, जिसमें युद्ध संबंधी, 'प्रतिबंधित' सामाग्री और अन्य सामाग्री को नियंत्रित न करने का आरोप था। रूस में प्रेस की स्वतंत्रता लगभग ने के बराबर है और स्वतंत्र समाचार आउटलेट्स और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर रोक लगाई गई है।

दिवाली में मीठा और तेल मसाला खाके बढ़ गया वजन, तो पी लें ये डीटॉक्स वॉटर : डॉ हृदयेश कुमार

अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के संस्थापक डॉ हृदयेश कुमार ने राम मंदिर परिसर सैक्टर 3 फरीदाबाद में लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि आज कल दिवाली का त्यौहार हो, और मिठाईयों-पकवानों की बात न हो यह संभव ही नहीं है. इस पर्व में घर-घर मिठाईयां तो बनती ही हैं, बाजार से भी लोग मिठाईयां खरीदकर लाते हैं. खाते हैं और खिलाते हैं. इन चीजों में तेल, मसाले और शुगर भरपूर मात्रा में होती है. इन सबसे वजन बढ़ता है. साथ ही इनसे पाचन से जुड़ी परेशानियां भी आती हैं और कई दिनों तक बनी रहती हैं. अगर, आपने भी ये सब खाया है तो अब बॉडी डिटॉक्स का समय आ गया है.आज के इस आर्टिकल में जानिए बॉडी डिटॉक्स ड्रिंक्स के टिप्स. ये टिप्स आपके लिए ही हैं

जीरा डिटॉक्स ड्रिंकजीरा में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-माइक्रोबियल और औषधीय गुण होते हैं. बस करना यह है कि जीरा को रात में पानी में भिगोकर रख दें. सुबह छानकर इसे नियमित रूप से इसे पिएं. यह बॉडी डिटॉक्स करने में सबसे कारगर उपाए है. दरअसल जीरा पानी का नियमित सेवन से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, साथ ही यह भूख को कंट्रोल करने वाले हार्मोन को संतुलित रखता है.

नींबू-अदरक डिटॉक्स ड्रिंक

नींबू और अदरक से बनी ड्रिंक भी बॉडी डिटॉक्सशन में मदद करती है. इसके सुबह खाली पेट नियमित सेवन से न सिर्फ शरीर को भरपूर एनर्जी मिलती है बल्कि मेटाबॉलिज्म भी बेहतर होता है. करना यह है कि एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़ें. इसमें एक इंच अदरक का टुकड़ा डालें. रोजाना 2 गिलास और कम से कम 2 महीने तक इसे पीने से आपको फायदा दिखेगा.

दालचीनी डिटॉक्स ड्रिंक

दालचीनी को डिटॉक्स ड्रिंक में मिलाकर पीने से वजन कम होता है, साथ ही पाचन तंत्र मजबूत होता है. इस ड्रिंक को सुबह नहीं, बल्कि रोजाना सोने से पहले पीना है. गुनगुने पानी में एक छोटा चम्मच दालचीनी पाउडर मिलाकर पिएं.

खीरा-पुदीना डिटॉक्स ड्रिंक

खीरा और पुदीना में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं. जब हम इन्हें पानी में डालते हैं तो ये अपने पोषक तत्व पानी में छोड़ते हैं जिससे यह डिटॉक्स ड्रिंक बन जाती है, जो ज्यादा पौष्टिक होती है. इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है, साथ ही साथ और कब्ज की समस्या भी दूर होती है. बस करना यह है कि एक गिलास पानी में खीरे के कुछ टुकड़े और पुदीने की पत्तियां डालें. इसे दिनभर थोड़ा-थोड़ा करके पिएं.

सेब और दालचीनी डिटॉक्स ड्रिंक

यह सेब और दालचीनी से बनी डिटॉक्स ड्रिंक है. यह मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करती है, साथ ही इम्यूनिटी को मजबूत करती है. ब्लड शुगर को भी नियंत्रित करती है. बस एक गिलास पानी में सेब के टुकड़े और दालचीनी डालकर कुछ घंटे के लिए छोड़ दें. बस फिर क्या है आपका ड्रिंक तैयार है. ये सब आपके लिए बहुत फायदा करने वाले हैं मेरा सपना है कि हम सब लोग स्वस्थ होंगे तो भारत विश्व गुरु बनने में सक्षम हो जाएगा इस के लिए अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट हमेशा ही अपने लक्ष्य पर प्रयास करते रहेगा

ओडिशा के घाटगांव की इन जगहों पर घूम आइए आप, यहां की खूबसूरती देख झूम उठेंगे

ओडिशा में मौजूद जगन्नाथ मंदिर और कोणार्क सूर्य मंदिर पूरे देश में फेमस है। हर रोज इन मंदिरों के लिए दर्शन के लोग ओडिशा पहुंचते हैं। यह खूबसूरत राज्य बंगाल की खाड़ी के पास मौजूद है।

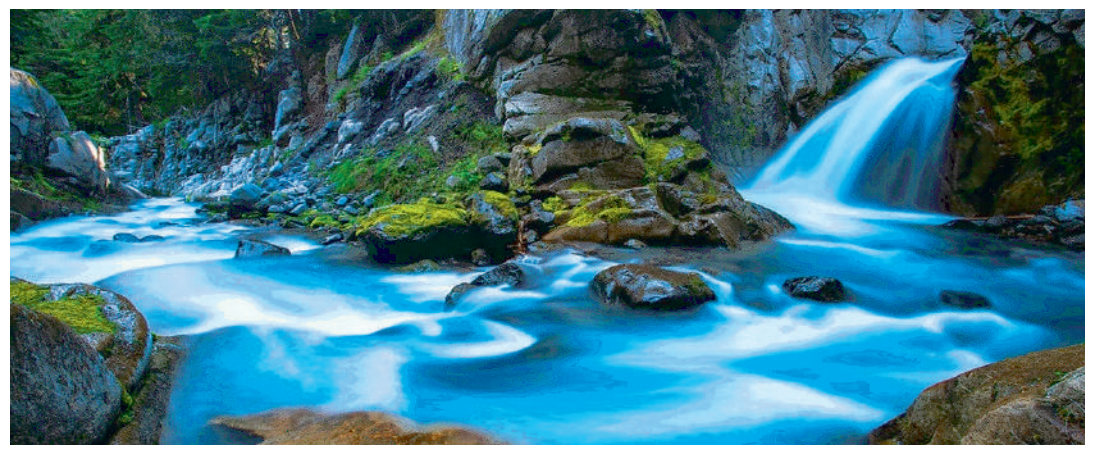

ओडिशा देश का सबसे प्रमुख और खूबसूरत राज्य है। क्षेत्रफल के हिसाब से ओडिशा भारत का 10वां सबसे बड़ा राज्य माना जाता है। ओडिशा में मौजूद जगन्नाथ मंदिर और कोणार्क सूर्य मंदिर पूरे देश में फेमस है। हर रोज इन मंदिरों के लिए दर्शन के लोग ओडिशा पहुंचते हैं। यह खूबसूरत राज्य बंगाल की खाड़ी के पास मौजूद है। इसलिए इस राज्य को एक्सप्लोर करने के लिए हर महीने हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। ओडिशा की धरती पर मौजूद घाटगांव एक ऐसी ही जगह है, जिसको राज्य का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घाटगांव और इसके आसपास मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मां तारिणी मंदिर

ओडिशा के घाटगांव में किसी फेमस जगह पर घूमने की बात होती है, तो कई लोग मां तारिणी मंदिर का नाम सबसे पहले लेते हैं। यह मंदिर सिर्फ इस शहर ही नहीं बल्कि पूरे राज्य में फेमस है।

तारिणी मंदिर दो जुड़वा देवियों तारा और तारिणी को समर्पित है। बता दें कि इस मंदिर को प्रथम पूज्य 4 आदि शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। इस ओडिशा राज्य का सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा देखे जाने वाला शक्तिपीठ है। यहां पर सालाना 40 करोड़ रुपये से भी अधिक का नारियल चढ़ावे में चढ़ जाता है।

घाटगांव फॉरेस्ट रेंज

घाटगांव फॉरेस्ट रेंज यहां का सबसे फेमस पर्यटन स्थल है। यह जगह घने जंगल, कई विलुप्त पेड़-पौधे, घास के मैदान और झील झरनों के लिए जाना जाता है। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी हसीन खजाने से कम नहीं है।

घाटगांव फॉरेस्ट रेंज सिर्फ प्रकृति प्रेमियों के लिए ही नहीं बल्कि एडवेंचर के शौकीन लोगों के लिए बेहतरीन जगह है। वीकेंड पर कई लोग यहां पर हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिंग के लिए पहुंचते हैं। मानसून और सर्दियों में यहां की खूबसूरती चरम पर होती है।

सनाघागरा वॉटरफॉल

घाटगांव से कुछ दूरी पर सनाघागरा वॉटरफॉल मौजूद है। यह एक बेहद शानदार स्पॉट है। यह वॉटरफॉल एक पार्क के अंदर स्थित है। इस पार्क को इको टूरिस्ट स्पॉट के नाम से जाना जाता है। इस पार्क को भी प्रकृति प्रेमियों के लिए खास माना जाता है।

इको टूरिस्ट स्पॉट में मौजूद सनाघागरा वॉटरफॉल में जब 50 फीट की ऊंचाई से पानी गिरता है, तो यहां का नजारा देखने लायक होता है। वहीं यहां की हरियाली भी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। वीकेंड पर सिर्फ स्थानीय लोग ही नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्य से भी लोग यहां पर घूमने के लिए आते हैं।

सिमलीपाल नेशनल पार्क

ओडिशा के मयूरभंज में स्थित सिमलीपाल नेशनल पार्क भारत का एक फेमस पार्क है। सिर्फ ओडिशा के ही नहीं बल्कि देश के हर कोने से लोग सिमलीपाल नेशनल पार्क घूमने के लिए पहुंचते हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है।

यह नेशनल पार्क हाथियों के लिए जाना जाता है। इस कारण इसे हाथी अभ्यारण्य भी कहा जाता है। हाथी के अलावा यहां पर आपको तेंदुआ, भौंकने वाला हिरण, सांभर, गौर, जंगली बिल्ली, जंगली सूअर और चार सींग वाला मृग भी देखने को मिलेगा। आप यहां पर जंगल सफारी का लुत्फ भी उठा सकते हैं।

ऐसे पहुंचें घाटगांव

बता दें कि घाटगांव पहुंचना बेहद आसान है। घाटगांव जाने के लिए आप ओडिशा के किसी भी शहर से पहुंच सकते हैं। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से घाटगांव करीब 165 किमी और कटक से करीब 147 किमी दूर है।

दिल्ली पर चौतरफा मार , 4 साल में सर्वाधिक प्रदूषित रहा अक्टूबर ; गर्मी ने भी तोड़ा रिकॉर्ड

दिल्ली पर मौसम की चौतरफा मार पड़ रही है। यहां के लिए अक्टूबर महीना चार सालों में सबसे प्रदूषित रहा। इस साल एक भी दिन बारिश नहीं हुई जिससे हवा की गुणवत्ता खराब रही। अक्टूबर में 13 दिन मध्यम दस दिन खराब और आठ दिन बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किए गए। वहीं इस साल अक्टूबर में दिल्ली का तापमान भी 74 साल में सबसे ज्यादा रहा।

परिवहन विशेष न्यूज

नईदिल्ली। पूरे माह एक भी दिन वर्षा नहीं होने के कारण इस साल अक्टूबर का महीना चार सालों का सबसे प्रदूषित रहा है। महीने में 'संतोषजनक' श्रेणी की हवा वाला एक भी दिन नहीं मिला जबकि 'बहुत खराब' श्रेणी वाले दिन बढ़ गए।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) से मिले आंकड़े बताते हैं कि इस साल अक्टूबर में 13 दिन 'मध्यम', दस दिन 'खराब' और आठ दिन 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किए गए। महीने का औसत एक्यूआई 234 रहा, यह 2020 के बाद सर्वाधिक है। 2020 में यह 265, 2021 में 173, 2022 में 210 और 2023 में 219 रहा था।

सीपीसीबी के पूर्व अपर निदेशक डॉ. दीपांकर साहा बताते हैं कि दिल्ली के प्रदूषण की एक ही दवा है- वर्षा और तेज हवा। लेकिन इस साल अक्टूबर में वर्षा बिल्कुल भी नहीं हुई तो हवा की गति भी बीच बीच में मंद पड़ती रही। इसीलिए यह स्थिति बनी।

2020 से लेकर 2024 तक अक्टूबर में कितने दिन किस श्रेणी में रही हवा

वर्ष	संतोषजनक	मध्यम	बहुत खराब	गंभीर
2020	0	6	17	8
2021	3	19	8	8
2022	4	8	10	7
2023	1	12	13	5
2024	0	13	10	8

74 साल में सबसे गर्म रहा इस साल अक्टूबर महीना

इस साल अक्टूबर का महीना अप्रत्याशित रूप से 74 वर्ष में सबसे गर्म रहा है। 1951 के बाद इस बार दिल्ली में इस माह सबसे अधिक गर्मी दर्ज की गई है। इस माह दिल्ली का औसत अधिकतम तापमान 35.1 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस रहा। इससे पूर्व अक्टूबर में 1951 में औसत अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री और औसत न्यूनतम तापमान 22.3 डिग्री रिकार्ड हुआ था।

माह की सामान्य वर्षा का आंकड़ा 15.1 मिमी है लेकिन इस बार पूरा माह सूखा रहा। जलवायु विज्ञानियों का मानना है कि यह वृद्धि ग्लोबल वार्मिंग और विभिन्न पर्यावरणीय परिवर्तनों से जुड़ी हुई है। वे बताते हैं कि यह रिकार्ड गर्मी न सिर्फ दैनिक जीवन को प्रभावित करती है, बल्कि बदलती जलवायु के बारे में चेतावनी भी देती है।

अक्टूबर में कब कब कितना पहुंचा अधिकतम तापमान (डिग्री सेल्सियस में)

1907- 35.5
1930- 35.0
1938- 35.0
1941- 35.8
1951- 36.2

अक्टूबर में कब कब कितना पहुंचा न्यूनतम तापमान (डिग्री सेल्सियस में

1901- 21.6
1915- 22.3
1927- 21.5
1928- 22.1
1951- 22.3

दीपावली की आतिशबाजी में इस बार 42 प्रतिशत अधिक लोग हुए हताहत; पढ़ें किस अस्पताल में पहुंचे कितने मरीज

परिवहन विशेष न्यूज

इस दिवाली दिल्ली में पटाखों की आतिशबाजी ने लोगों को झुलसा दिया। पिछले साल के मुकाबले इस बार अस्पतालों में 42 प्रतिशत ज्यादा लोग हताहत होकर पहुंचे। एम्स सफदरजंग आरएमएल सहित दिल्ली के छह अस्पतालों में 356 मरीज पटाखों व दीयों से झुलसकर इलाज के लिए पहुंचे। इस खबर में हम आपको बताएंगे कि किस अस्पताल में कितने मरीज पहुंचे और उनकी हालत कैसी है।

नई दिल्ली। राजधानी में पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद दीपावली के दौरान जमकर आतिशबाजी हुई। कुछ जगहों पर पटाखों के निर्माण के लिए रखे विस्फोटकों में आग लगने से भी लोग हताहत हुए। इस वजह से पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार अस्पतालों में 42 प्रतिशत अधिक लोग हताहत होकर पहुंचे।

स्थिति यह है कि एम्स, सफदरजंग, आरएमएल सहित दिल्ली के छह अस्पतालों में 356 मरीज पटाखों व दीयों से झुलसकर इलाज के लिए पहुंचे। जिसमें से 315 मरीज पटाखों से व 41 मरीज दीये ये झुलसे थे। 61 मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है, जो एम्स, सफदरजंग और आरएमएल अस्पताल के बर्न ब्लाक में भर्ती हैं।

इस साल प्रमुख अस्पतालों में 289 मरीज पहुंचे

पिछले वर्ष दीपावली के दिन आतिशबाजी और दीये से झुलसकर करीब 250 मरीज भर्ती हुए थे। इस बार एम्स, सफदरजंग और आरएमएल इन प्रमुख अस्पतालों में ही 289 मरीज पहुंचे। जिसमें 33 बच्चे शामिल हैं। पटाखे जलाने के दौरान 32 लोगों के हाथों में गंभीर चोट आई। लोकनायक, जीटीबी व अंबेडकर अस्पताल में 67 मरीज पहुंचे। इसके अलावा डीडीयू, संजय गांधी स्मारक अस्पताल सहित कई अन्य अस्पतालों में भी मरीज पहुंचे।

सफदरजंग में सबसे अधिक 117 मरीज पहुंचे

सफदरजंग अस्पताल में सबसे अधिक 117 मरीज पहुंचे, जिसमें 20 बच्चे शामिल हैं। 86 मरीज पटाखों से व 31 मरीज दीये से झुलसकर अस्पताल पहुंचे थे। अस्पताल प्रशासन के अनुसार पांच मरीजों की सर्जरी करनी पड़ी। दीपावली से एक दिन पहले भी इस अस्पताल में पटाखों से झुलसकर 18 मरीज पहुंचे थे।

आरएमएल अस्पताल के बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी के विभागाध्यक्ष ड. समीक भट्टाचार्य ने बताया कि अस्पताल में बर्न विभाग में 44 मरीज पहुंचे। जिसमें से नौ मरीजों को भर्ती हैं। इनमें दो किशोर सहित छह बच्चे हैं। अस्पताल में भर्ती तीन मरीजों की हालत ज्यादा गंभीर है। वे 45 प्रतिशत, 35 प्रतिशत व 25 प्रतिशत तक झुलस गए हैं।

एक ही परिवार के छह लोग झुलसे

बिंदापुर में एक घर में पटाखे बनाने के लिए विस्फोटक रखे हुए थे। आतिशबाजी के कारण इसमें आग लग गई और एक ही परिवार के छह लोग झुलसकर आरएमएल पहुंचे। इनमें चार लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। दो महिलाएं अस्पताल में भर्ती हैं। जिसमें से एक महिला 45 प्रतिशत जल गई है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। डॉ. समीक ने बताया कि पिछले वर्ष पटाखों के विस्फोट से हाथ में गंभीर चोट लगने के मामले नहीं आए थे। इस बार हाथ में चोट से पीड़ित अस्पताल में दो मरीज पहुंचे। एक मरीज की अंगुली में फ्रेक्चर था और दूसरे मरीज के टेंडन में चोट थी। दोनों की सर्जरी की गई।

एम्स में आइसीयू में भर्ती हैं 19 मरीज

एम्स के बर्न ब्लाक में 48 मरीज पहुंचे। जिसमें से 32 मरीज पटाखा जलाने के दौरान झुलसे थे। 10 मरीज पटाखों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले पोटाश में विस्फोट होने से झुलसे थे। 19 मरीज आइसीयू में व आठ मरीज वार्ड में भर्ती हैं। एम्स व सफदरजंग अस्पताल में 41 मरीज एनसीआर के विभिन्न इलाकों से पहुंचे थे। एम्स प्रशासन के अनुसार आतिशबाजी के दौरान आंख में चोट लगने से आरपी सेंटर की इमरजेंसी में दो दिन में 80 मरीज पहुंचे। इनमें से कुछ मरीजों की आंखों की रोशनी भी प्रभावित हुई है।

इस साल किस अस्पताल में पहुंचे कितने पीड़ित

सफदरजंग- 117
एम्स बर्न सेंटर- 48
एम्स आरपी सेंटर- 80

दीवाली की रात उत्तम नगर में खूनी खेल चाकू से ताबड़तोड़ वार कर शख्स की हत्या

सुषमा रानी

उत्तम नगर में दिवाली की रात एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पीड़ित की पहचान गगन ओबेराय के रूप में हुई है जो फाइनेंस का काम करते थे। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गगन की हत्या किसी पुराने विवाद के चलते की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पश्चिमी दिल्ली। उत्तम नगर थाना क्षेत्र में चाकू गोदकर एक व्यक्ति की हत्या का मामला सामने आया है। शुरुआत जांच के आधार पर कुछ संदिग्धों को पुलिस ने पकड़ा है और उनसे पूछताछ कर मामले की जांच में जुटी है। पुलिस का कहना है कि प्राथमिक जानकारी के आधार पर कुछ आरोपितों की पहचान हो चुकी है, उनकी धड़पकड़ का प्रयास जारी है। जिस व्यक्ति की हत्या की हुई है, उनका नाम गगन ओबेराय है। गगन फाइनेंस का काम करते थे।

गगन परिवार के साथ ए-2, हस्तसाल रोड, उत्तम नगर में रहते थे। आरोप है कि दीवाली की रात वे अपने घर से पटाखे फोड़ रहे थे। इनके घर के नजदीक ही इनके परिचित रहते हैं, जिनके घर पर पार्टी चल रही थी। आरोप है कि गगन जब अपने घर में नहीं थे, तब दो बार इन्हें कुछ लोग ढूंढने आए थे।

गगन पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिया

देर रात जब ये अपने घर पहुंचे तो इनके परिचित जिनके घर पर पार्टी चल रही थी, वहां मौजूद कुछ लोगों ने इन्हें काल कार पार्टी में शामिल होने के लिए बुलाया। गगन वहां गए। वहां एक महिला सहित कुछ लोग थे। आरोप है कि पार्टी के दौरान वहां तीन लोग आए और उन्होंने गगन से कहासुनी शुरू कर दी। इस दौरान ही गगन पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिया गया।

इलाज के दौरान शुक्रवार दोपहर को तोड़ दिया दम

गगन वहां से जान बचाने के इरादे से भागने लगे, लेकिन वे भाग नहीं पाए। उनपर चाकू से वार किया जाता रहा। वे बेसुध होकर गिर गए। वारदात के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। उधर पार्टी में मौजूद लोगों ने आननफानन में मामले से पुलिस को अवगत कराया और गगन को लेकर अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में उपचार के दौरान शुक्रवार दोपहर उन्होंने दम तोड़ दिया।

गगन के परिवार में पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं। हत्या की इस घटना से जहां उत्तम नगर ए ब्लाक के लोग काफी दुखी हैं, वहीं पीड़ित परिवार में शोक व्याप्त है।

घटना के कारणों के बारे में पुलिस नहीं दे रही जानकारी

घटना क्यों हुई, इस बारे में अभी पुलिस अधिकारी स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कह रहे हैं। कुछ लोग जहां इसे पैसे के लेनेदन से जुड़ा मामला बता रहे हैं तो कुछ का कहना है कि ऐसा लगता है कि गगन की हत्या सुनियोजित थी। जिस हिसाब से उसे पार्टी में बुलाया गया और वहां उसपर जानलेवा हमला किया गया, उससे यही लग रहा है, घटना को लेकर आरोपित पहले से तैयार थे। मौका मिलते ही उन्होंने गगन को निशाने पर ले लिया।

वक्फ अमेंडमेंट बिल किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं: शाहिद अली एडवोकेट

दलित, ओबीसी, माइनॉरिटीज एवं आदिवासी संगठनों का परिसंघ द्वारा सम्मेलन का आयोजन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली: मदनपुर खादर एक्सटेंशन, दिल्ली में शाहिद अली एडवोकेट की अध्यक्षता में दलित, ओबीसी, माइनॉरिटीज एवं आदिवासी संगठनों का परिसंघ द्वारा एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिस में वक़्फ़ की रक्षा,संविधान की रक्षा और आरक्षण की सीमा 50% से बढ़ाने , ई वी एम हटाओ एवं जाति जनगणना जैसे अन्य विषय पर चर्चा हुई।

इस अवसर पर लोगों ने 1 दिसंबर 2024 को राम लीला मैदान में होने वाले महा रैली में शामिल होने का आहान किया।

मदनपुर खादर एक्सटेंशन, नई दिल्ली में आयोजित इस सम्मेलन में अब्दुल बारी, सुल्तान सर, मुमताज़, शरीफ़ अली प्रधान, मोईन खान, मुख़्तार खान,सोनू मालिक, अबरार सैफी,डॉ इरफ़ान, सजर मिर्ज़, नसीम अहमद, फ़हीम, आबिद भाई, बदले आलम, ज़ाकिर भाई, वकील अहमद, नोमान भाई , आर डब्लू ए एवं छेत्र के लोग भारी संख्या में उपस्थित रहे और वक़्फ़ अमेंडमेंट बिल का विरोध करते हुए बिल को वापस लेने का मुतालबा किया।

इस अवसर पर एडवोकेट शाहिद अली ने कहा कि अफसोस की बात है कि वक़्फ़ अमेंडमेंट बिल पर कौम सोई हुई है वक़्फ़ पर सरकार पहले से काबिज़ है और जो बची हुई है वो वक़्फ़ अमेंडमेंट के बाद सरकार की हो जाएगी आपके पास मस्जिदें, दरगाहें , क़ब्रिस्तान अत्यादि नहीं बचेगी क्योंकि सरकार की इस पर बुरी नज़र है और यही वजह है कि सरकार वक़्फ़ अमेंडमेंट बिल ले कर आ रही है।

उन्होंने कहा कि हम वक़्फ़ की कमाई से हजारों हॉस्पिटल , स्कूल, कॉलेज बना सकते हैं जिस से सभी फायदा उठा सकते हैं और देश का बजट भी फाइनेंस कर सकते हैं।

वक़्फ़ अमेंडमेंट बिल ला कर यह सरकार लोगों को फिर से गुलाम बनाना चाहती है और अगर आवाज़ नहीं उठी और अवाम नहीं जागी तो हमारे बुजुर्गों की कुरबानियां बर्बाद हो जाएंगी।इस लिए बेदार हो जाओ और अपने हक़ के लिए आवाज़ उठाओ।

उन्होंने कहा कि वक़्फ़ में संशोधन एक खतरनाक क़दम है इस से पहले भी वक़्फ़ पर हमले हुए हैं।यह वक़्फ़ बिल वक़्फ़ संपत्ति पर कब्ज़ा करने की एक कोशिश है। उन्होंने वक़्फ़ अमेंडमेंट बिल को वापस लेने की मांग की और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की तरह वक़्फ़ को भी मुसलमानों के हवाले करने का मुतालबा किया।

प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिजवी को विश्वविद्यालय का कार्यवाहक कुलसचिव नियुक्त किया गया

सुषमा रानी

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ ने जामिया के नेल्सन मंडेला शांति एवं संघर्ष समाधान केंद्र के मानद निदेशक प्रो. (डॉ.) मोहम्मद महताब आलम रिजवी को विश्वविद्यालय का कार्यवाहक कुलसचिव नियुक्त किया है। आदेश जारी होने के तुरंत बाद प्रो. रिजवी ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है । प्रो. रिजवी ने कार्यवाहक कुलसचिव का वह स्थान ग्रहण किया है जिस पर श्री एम. नसीम हैदर, उप कुलसचिव-I पिछले कुछ महीनों से कार्य कर रहे थे । कुलपति और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने प्रो. रिजवी को बधाई दी तथा विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलसचिव के रूप में उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

कुलपति ने अपने संबोधन में इस बात का उल्लेख किया कि हम एक टीम के रूप में एक साथ मिलकर विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे और इस महान संस्थान के संस्थापकों के सपनों को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

प्रो. रिजवी ने अपने संबोधन में यह कहा कि मुझे इस चुनौतीपूर्ण पद की ज़िम्मेदारी देकर मुझ पर विश्वास जताने के लिए मैं कुलपति महोदय का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने यह कहा कि, ₹मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा और अपने कार्यों से खुद को इस पद के लायक साबित करने की कोशिश करूंगा। मुझे कुशल कामकाज के लिए सभी शैक्षिक और प्रशासनिक कर्मचारियों के समर्थन की आवश्यकता है।₹

प्रो. रिजवी को शिक्षण और शोध का 20 वर्षों से अधिक का अनुभव है। वह फरवरी 2017 में जामिया में नियुक्त हुए और इससे पहले उन्होंने रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान, नई दिल्ली (भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख और प्रतिष्ठित शोध संस्थान/थिंक-टैंक) में फैलो के रूप में कार्य किया है। वह अंतरराष्ट्रीय संबंधों, विदेश

नीति और सुरक्षा मुद्दों, विशेष रूप से पश्चिम एशिया एवं उत्तरी अफ्रीका के देशों के साथ भारत के रणनीतिक संबंधों के विशेषज्ञ हैं। ईरान में राजनीतिक एवं आंतरिक विकास, ईरान के परमाणु प्रोग्राम, ईरान-चीन का आर्थिक, राजनीतिक और रक्षा संबंधों पर भी उनका शोध केंद्रित है। वह पश्चिम एशिया एवं उत्तरी अफ्रीका क्षेत्र में विकास, पश्चिम एशिया में ऊर्जा सुरक्षा तथ वाना क्षेत्र में शांति और संघर्ष समाधान के नजदीकी पर्यवेक्षक रहे हैं। उन्होंने आईडीएसए एवं ईरान और जीसीसी देशों के विदेश मंत्रालय की संयुक्त परियोजनाओं पर भी कार्य किया है। उन्होंने कई प्रशासनिक पदों पर भी कार्य किया है।

भारत के महामहिम राष्ट्रपति ने उन्हें अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कोर्ट सदस्य के रूप में नामित किया है । वह मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद के संस्थागत शैक्षणिक अखंडता पैनल के एक बाह्य सदस्य हैं।

आप राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने हिंदू नववर्ष की शुरुआत पर अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ कनॉट प्लेस स्थित श्री हनुमान मंदिर में की पूजा अर्चना; देश की शांति और समृद्धि की करी कामना।

पाकिस्तान में जलती पराली ने दिल्ली-एनसीआर वासियों से छीनी साफ हवा, आने वाले समय में कैसे होंगे हालात

राजधानी दिल्ली में इस साल भी दीवाली पर प्रदूषण के बढ़ने की संभावना हैं। आज पटाखे जलाने पर इसके 400 पार होने का पूर्वानुमान है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान में जल रही पराली से फैले प्रदूषण में नोएडा समेत पूरे दिल्ली-एनसीआर के लोगों की आंखों से आंसू निकाल रहे हैं। बच्चों पर इसका ज्यादा असर दिख रहा है।

ग्रेटर नोएडा। नोएडा। पाकिस्तान में पराली जलाने से फैले प्रदूषण में शहर के लोगों की आंखों से आंसू निकल रहे हैं। कई अस्पतालों में आंखों में जलन, खुजली, पानी निकलने और लालपन के मरीज बढ़ गए हैं। इनमें पांच साल तक के वो बच्चे भी शामिल हैं।

जो घर से बाहर ज्यादातर समय स्कूल और कोचिंग सेंटर या खेल मैदान पर बिताते हैं। जिला अस्पताल में 15 दिनों में मरीजों की संख्या एक हजार के पार पहुंच गई है। सामान्य दिनों में यह आंकड़ा 400 से 500 के बीच था।

रोजाना की ओपीडी में ऐसे मरीजों की संख्या 80 से 90

जिला अस्पताल के आई सर्जन डा पंकज ने बताया कि प्रदूषण बढ़ने की वजह से अब लोगों की आंखों में जलन, पानी निकलने के केस बढ़ गए हैं। सबसे ज्यादा वो लोग परेशान हैं, जो ज्यादा समय घर से बाहर रहते हैं। दो सप्ताह से रोजाना की ओपीडी में ऐसे मरीजों की संख्या 80 से 90 पहुंच गई है।

सामान्य दिनों में यह आंकड़ा 30 से 40 के बीच रहता था।15 दिनों में बच्चों समेत एक हजार से ज्यादा लोगों की आंखों की जांच की गई। उन्होंने चिंता जाहिर की कि नवंबर-दिसंबर की सर्दी में समस्या बढ़ेगी।

बच्चों की आंखों में बढ़ने लगी कई परेशानी

वहीं, पीजीआई चाइल्ड के वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. विक्रांत का कहना है कि दस दिनों से छह साल से ऊपर के बच्चों की आंखों में जलन, खुजली, लाली और पानी निकलने व अन्य परेशानी बढ़ गई है। रोजाना ओपीडी में ऐसे 15-20 बच्चे आ रहे हैं। एक माह पहले तक यह संख्या चार से पांच बच्चों की थी।

ग्रेटर नोएडा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डीके गुप्ता का कहना है कि पाकिस्तान में पराली जलाने के मामले अधिक हैं। सैटेलाइट से इसकी पुष्टि हुई है। पाकिस्तान के प्रदूषण का प्रभाव पंजाब, हरियाणा, दिल्ली से होते हुए एनसीआर में बढ़ गया है। उनका कहना है कि दस दिन पहले हवा का रूख पंजाब, हरियाणा में था। तब नोएडा- ग्रेटर नोएडा का प्रदूषण स्तर 200 से कम था। अब स्थिति बिगड़ रही है।

ऐसे करें बचाव

- डॉक्टरों ने बताया कि घर से बाहर जाते समय आंखों को चश्मा लगाकर कवर कर लें।
- घर या आफिसर जाने पर साफ पानी से आंख साफ करें।
- वाहन चलाते समय वाहन जरूर लगाएं।
- दीपावली पर पटाखों के धुएं से दूर रहें।
- ज्यादा समय बाहर न बिताएं और तुरंत आंखों को हाथों से न रगड़ें।
- धूल और मिट्टी के बीच से निकलने के बाद आंखों को पानी से साफ करें।
- डॉक्टर की सलाह पर ही कोई ड्राप आंखों में डालें।
- ज्यादा ड्राप डालने से मोतियाबिंद और अन्य परेशानी हो जाएगी।

कैबिनेट के सामने नोएडा स्पोर्ट्स सिटी परियोजना, 40 हजार फ्लैट खरीदारों की किस्मत का होगा फैसला

नोएडा की स्पोर्ट्स सिटी परियोजना अब कैबिनेट के सामने पेश की जाएगी। इस पर अंतिम फैसला कैबिनेट ही लेगी। इससे पहले लोक लेखा समिति की बैठक में नोएडा प्राधिकरण ने कई तथ्यों पर अपना जवाब दिया था। इस प्रोजेक्ट से जुड़े 40 हजार से ज्यादा फ्लैट खरीदारों की किस्मत का फैसला होगा। लेख के माध्यम से जानें पूरी खबर।

नोएडा। नोए स्पोर्ट्स सिटी परियोजना को अब कैबिनेट के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। कैबिनेट इस पर अपना अंतिम फैसला लेगी। इससे पहले लखनऊ में लोक लेखा समिति की हुई बैठक में नोएडा प्राधिकरण (noida authority) ने कई तथ्यों पर अपना जवाब दिया था। बोर्ड में चेयरमैन मनोज कुमार सिंह से अनुमोदन के बाद अब कैबिनेट के सामने प्रस्तुत किया जाना है।

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश पाल ने बताया कि लोक लेखा समिति सीएजी आपत्तियों का निस्तारण करने के लिए सुनवाई कर रही है। इस मामले में अब तक सभी सुनवाई और आपत्तियों का जवाब प्राधिकरण दे चुका है। कैबिनेट ही इस पर अहम निर्णय लेगी, जिससे 40 हजार से ज्यादा फ्लैट खरीदारों के भाग्य का फैसला होगा।

यह रही पूरी कार्य योजना

प्राधिकरण की 121वीं बैठक में कॉमनवेल्थ गेम्स की तर्ज पर नोएडा में खेलकूद सुविधाओं का विकास करने का निर्णय लिया गया था। इसके लिए विभिन्न सेक्टरों में 390 हेक्टेयर भूमि नोएडा महायोजन-2021 के प्रारूप में प्रस्तावित की गई। वर्ष 2047 में 145 वीं बोर्ड बैठक में 311.60 हेक्टेयर भूमि पर खेलकूद सुविधाओं का विकास करने के लिए स्पोर्ट्स सिटी योजना प्रस्तावित की गई।

वर्ष 2008 में 149 वीं बोर्ड बैठक में 346 हेक्टेयर भूमि पर स्पोर्ट्स सिटी का भू-उपयोग निर्धारित किया गया। प्रदेश सरकार से अनुमोदन भी प्राप्त किया गया। प्राधिकरण ने 2010-11 में सेक्टर-78, 79, 101, वर्ष 2014-15 व 2015-16 में सेक्टर-150, सेक्टर-152 में स्पोर्ट्स सिटी योजनाओं के लिए सार्वजनिक सूचना निकाली, बिल्डरों को जमीन का आवंटन हुआ।

UP जेल मंत्री और DG ने बंदियों के साथ मनाई दीवाली, दारा सिंह चौहान ने CM योगी का दिया खास संदेश

गाजियाबाद के डासना जिला कारागार में जेल मंत्री दारा सिंह चौहान और डीजी जेल पीवी रामशास्त्री ने बंदियों के साथ दीवाली मनाई। बंदियों को दीवाली की शुभकामनाएं देने के साथ ही बंदियों के बच्चों को दीवाली पर तोहफे दिए। जेल मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जेलों में दीवाली धूमधाम से मनाने का संकल्प लिया था।

गाजियाबाद। जेल मंत्री दारा सिंह चौहान और डीजी जेल पीवी रामशास्त्री ने डासना जिला कारागार में बंदियों के साथ दीवाली मनाई। बंदियों को दीवाली की शुभकामनाएं देने के साथ ही बंदियों के बच्चों को दीवाली पर तोहफे दिए।

जेल मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (CM Yogi Adityanath) ने जेलों में दीवाली धूमधाम से मनाने का संकल्प लिया था। गाजियाबाद जिला जेल को बंदियों के बनाये दिये और मोमबत्ती से ही रोशन किया गया था। उन्होंने जेल में बंदियों की आर्ट गैलरी देखकर उसकी प्रशंसा की।

एक बंदी-एक दीप कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बृहस्पतिवार शाम जिला कारागार में एक बंदी-एक दीप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर जेल आए जेल मंत्री दारा सिंह चौहान और जेल महानिदेशक पीवी रामशास्त्री जेल में बंदियों को दी जा रही सुविधाओं का हाल देखा। बंदियों के हाथ से बनाए दिये और मोमबत्ती जलाकर उन्होंने जेल में दीवाली की सभी के शुभकामनाएं दीं।

जेल मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि जिला कारागार में आर्ट गैलरी उन्हें बहुत पसंद आई है। बंदियों की बनाई पेंटिंग भी अच्छी हैं। कारागार में सफाई व्यवस्था से भी वह संतुष्ट दिखे। जेल परिसर को दिये और मोमबत्ती से सजाया गया था। जेल में इस मौके पर रामलीला का मंचन भी किया गया।

जिसमें बंदियों ने ही सभी पात्र निभाए। जिला कारागार में बंदियों की समस्याओं को दूर करने के लिए शुरू की गई चौपाल व्यवस्था पर भी उन्होंने संतोष जताया। जेल में बंदियों के स्वास्थ्य, खान-पान और कानूनी अधिकारों पर भी उन्होंने लगातार काम किए जाने पर जोर दिया।

जेलों के उत्पाद बाजार में उतारे जाएंगे

जेल मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में वन जेल वन प्राडक्ट (ओजीओपी) के तहत जेलों के उत्पादों को बाजार में उतारे जाने पर योजना बनाई जा रही है। डीजी जेल इस संबंध में आवश्यक कदम उठा रहे हैं। हर जेल में एक उत्पाद को आगे बढ़ाने का काम किया जा रहा है।

भाई दूज पर जेल में होगी खास व्यवस्था

भाई दूज पर जिला कारागार में दिनभर खुली मिलाई होगी। भाइयों से मिलने आने वाली बहनें बिना पर्ची बनवाये सुबह सात बजे से मिल सकती हैं। जिला कारगार में भाई दूज पर खुले में मिलने की व्यवस्था की जाएगी।

सरदार पटेल जयंती पर गुरुग्राम में रन फॉर यूनिटी, 10 हजार से अधिक धावक दौड़े; केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल भी रहे मौजूद

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर गुरुग्राम के लेजर वैली ग्राउंड में आयोजित रन फॉर यूनिटी में 10 हजार से अधिक धावकों ने भाग लिया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने अपने संबोधन में कहा कि सरदार पटेल ने भारत के राजनीतिक एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर में लागू धारा 370 को हटाकर देश को पुनः एकता की डोर में पिरोया गया।

गुरुग्राम। Rashtriya Ekta Diwas: लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती पर सेक्टर 29 स्थित लेजर वैली ग्राउंड में आज राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ रखने के उद्देश्य से रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। दीपावली पर अवकाश होने के बावजूद युवा जोश व उत्साह से लबरेज दिखे इस महत्वपूर्ण आयोजन में केंद्रीय विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल मुख्यातिथि थे।

कार्यक्रम में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह व गुरूग्राम के विधायक मुकेश शर्मा भी मौजूद रहे। रन फॉर यूनिटी (Run For Unity) का आयोजन सेक्टर 29 स्थित लेजर वैली ग्राउंड में प्रातः 7 बजे किया गया था। जिसमे करीब 10 हजार से अधिक धावकों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ लेकर 5 व 10 किलोमीटर की रेस में भाग लिया व राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

मुख्यातिथि मनोहर लाल ने मैराथन में शामिल धावकों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2014 में शुरू किया गया अभियान, सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान से स्वतंत्र भारत के राजनीतिक एकीकरण में और भारत की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है।

यह दिवस विविधता में एकता के महत्त्व को रेखांकित करने के साथ-साथ भारतीय समाज के विविध पहलुओं, जैसे धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं को दर्शाता है और उनकी सराहना करता है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों की कुटिल चाल के बावजूद वह सरदार पटेल की महानतम देन थी कि 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद की भावना से ओतप्रोत एक संयुक्त देश की स्थापना के लिए सरदार पटेल ने जो काम किया था उसे कभी नहीं भुलाया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद भारतीय जनमानस में जम्मू कश्मीर में लागू धारा 370 को लेकर जो टीस थी। उसे भी सरदार पटेल की विचारधारा को समर्पित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केंद्रीय गृहमंत्री शअमित शाह ने हटाकर देश को पुनः एकता की डोर में पिरोया है।

केंद्रीय मंत्री ने आमजन से किया स्वच्छता का आह्वान

केंद्रीय मंत्री ने आमजन से स्वछता का आह्वान करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में शुरू हुए इस अभियान ने पूरे राष्ट्र के लिए एक जन-आंदोलन का रूप ले लिया है। स्वच्छ भारत अभियान के संदेश ने लोगों के अंदर उत्तरदायित्व की एक अनुभूति जगा दी है।

अब जबकि नागरिक पूरे देश में स्वच्छता के कामों में सक्रिय रूप से सम्मिलित हो रहे हैं, महात्मा गांधी द्वारा देखा गया 'स्वच्छ भारत' का सपना अब साकार होने लगा है। उन्होंने नागरिकों से कहा कि वे स्वच्छता को अपना स्वभाव व संस्कार बनाकर अन्य लोगों को भी इस अभियान से जोड़े।

केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान उपस्थितजन को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई। रन फॉर यूनिटी में हर्ष माकड़ोला व ललित भौंडसी के उल्लेखनीय उपलब्धि पर एडीसी हितेश कुमार मीणा ने उपरोक्त दोनों धावकों को ट्रैक सूट देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर मंडलायुक्त रमेश चंद्र बिढांन, सामुदायिक पुलिसिंग और आउटरीच कार्यक्रम के विशेष अधिकारी पंकज नैन, डीसी निशांत कुमार यादव, सीपी विकास अरोड़ा, एडीसी हितेश कुमार मीणा, भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव, जिला परिषद के सीईओ जगनिवास।

गुरूग्राम के एसडीएम रविंद्र कुमार, सूचना, लोकसंपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग के एडिशनल डायरेक्टर रणबीर सिंह सांगवान, खेल उपनिदेशक गिरिराज सिंह सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

हरियाणा-दिवस विशेषः सरकारों की उपेक्षा के चलते पिछड़ती गई हरियाणवी भाषा

वर्तमान अकादमी उपाध्यक्ष व निदेशक की पहल सराहनीय : डॉ. 'मानव'

हरियाणा-दिवस के सुअवसर पर दिए गए अपने विशेष साक्षात्कार में डॉ. 'मानव' ने कहा कि पंजाब से अलग हरियाणा राज्य का गठन ही भाषा के आधार पर हुआ था, लेकिन सरकारों की उपेक्षा के चलते हरियाणवी पिछड़ती चली गई। हरियाणा के हिन्दी और हरियाणवी साहित्य के शोध और संरक्षण में अपने जीवन के पचास महत्त्वपूर्ण वर्ष खपा देने वाले डॉ. रामनिवास 'मानव' हरियाणवी की वर्तमान स्थिति से बहुत निराश हैं और व्यथित स्वर में कहते हैं कि अब तक हरियाणवी के विकास के लिए जितने भी प्रयास हुए हैं, उनमें से अधिकतर निजी स्तर पर हुए हैं, राज्य सरकार या राज्य की किसी अकादमी का शायद ही कोई योगदान उनमें रहा हो। यही कारण है कि आज तक न तो हरियाणवी का मानक रूप तय हो पाया है, न हरियाणा में हरियाणवी साहित्य अकादमी का गठन हुआ है और न हरियाणवी में कोई पत्रिका निकलती है। फिर हरियाणवी भाषा का समुचित विकास कैसे संभव है!

-- डॉ. सत्यवान सौरभ

स्वतंत्रता के पश्चात पंजाब में तो हरियाणवी की घोर उपेक्षा हुई ही, भाषा के आधार पर, पंजाब से अलग राज्य बनने के बाद भी, हरियाणा की सरकारों ने न तो हरियाणवी भाषा की सुध ली और न ही इसके विकास की कोई ठोस कार्य-योजना बनाई। यह कहना है हरियाणवी साहित्य के पुरोधा के रूप में विख्यात वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामनिवास 'मानव' का। हरियाणा-दिवस के सुअवसर पर दिए गए अपने विशेष साक्षात्कार में डॉ. 'मानव' ने कहा कि पंजाब से अलग हरियाणा राज्य का गठन ही भाषा के आधार पर हुआ था, लेकिन सरकारों की उपेक्षा के चलते हरियाणवी पिछड़ती चली गई।

उन्होंने स्पष्ट किया कि 'हरियाणा में कल्चर के नाम पर सिर्फ़ एग्रीकल्चर है' का झूठा नैरेटिव चलाने वाले और हरियाणवी-विरोधी मानसिकता से ग्रस्त कथित साहित्यकारों ने सत्ता के सहयोग से पहले भाषा विभाग पर और फिर हरियाणा साहित्य अकादमी पर आधिपत्य जमा लिया। परिणाम? स्वतंत्रता के समय जो पंजाबी हरियाणवी से उन्नीस थी, वह न केवल संविधान की 8वीं सूची में शामिल होकर राष्ट्रीय भाषा का दर्जा पाने में सफल रही, बल्कि अब ब्रिटेन, कनाडा, अमेरिका, आस्ट्रेलिया आदि देशों में बसे करोड़ों पंजाबी भाषी लोगों के कारण विश्व भाषा बनने की ओर अग्रसर है। किंतु जो हरियाणवी अपने दम पर शताब्दियों पूर्व सुदूर दक्षिण भारत, नेपाल, तजाकिस्तान, कजाकिस्तान तथा कई यूरोपीय देशों तक पहुँच गई थी, स्वतंत्रता-प्राप्ति के सतत्तर और हरियाणा गठन के अड़सठ वर्ष बाद भी अपनी पहचान को बचाये रखने के लिए संघर्ष कर रही है।

हरियाणा के हिंदी और हरियाणवी साहित्य के शोध और संरक्षण में अपने जीवन के पचास महत्त्वपूर्ण वर्ष खपा देने वाले डॉ. 'मानव' हरियाणवी की वर्तमान स्थिति से बहुत निराश हैं और व्यथित स्वर में कहते हैं कि अब तक हरियाणवी के विकास के लिए जितने भी प्रयास हुए हैं, उनमें से अधिकतर निजी स्तर पर हुए हैं, राज्य सरकार या राज्य की किसी अकादमी का शायद ही कोई योगदान उनमें रहा हो। यही कारण है कि आज तक न तो हरियाणवी का मानक रूप तय हो पाया है, न हरियाणा में हरियाणवी साहित्य अकादमी का गठन हुआ है और न हरियाणवी में कोई पत्रिका निकलती है। फिर हरियाणवी भाषा का समुचित विकास कैसे संभव है!

पूर्व में हरियाणा साहित्य अकादमियों की कार्य-प्रणाली पर क्षोभ प्रकट करते हुए डॉ. 'मानव' ने कहा कि सत्ता के आशीर्वाद से हरियाणा की अकादमियों पर दशकों से कुंडली मारकर बैठे कुछ लोगों ने, अपने पद का दुरुपयोग करते हुए, न केवल चाटुकारिता की अपसंस्कृति को बढ़ावा दिया, बल्कि अकादमियों द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कारों की प्रतिष्ठा को भी ठेस पहुंचाई। जो लोग अढाई हज़ार के पुरस्कार के योग्य नहीं थे, उन्हें अढाई-अढाई लाख के, जो पांच हज़ार के पुरस्कार के योग्य नहीं थे, उन्हें पांच-पांच लाख के और जो सात हज़ार के पुरस्कार के योग्य नहीं थे, उन्हें सात-सात लाख के नामित पुरस्कार थोक में बांटे गये। इससे भी दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बात यह रही कि अनेक सुयोग्य और पुरस्कारों के सच्चे अधिकारी साहित्यकारों की घोर उपेक्षा की गई।

हरियाणवी भाषा और साहित्य के विकास हेतु हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के वर्तमान कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. कुलदीपचंद अग्निहोत्री और निदेशक डॉ. धर्मदेव विद्यार्थी द्वारा की जा रही पहल को सराहनीय बताते हुए डॉ. 'मानव' ने आशा प्रकट की है कि उनके प्रयासों के सार्थक और संतोषजनक परिणाम सामने आएंगे।

हरियाणवी को हिंदी का पूर्व रूप और केंद्रीय साहित्य अकादमी के शब्दों में 'हिंदी की सहभाषा' बताते हुए डॉ. 'मानव' ने कहा कि अलग से हरियाणवी साहित्य अकादमी का गठन, हरियाणवी पत्रिका का प्रकाशन, हरियाणवी भाषा का मानकीकरण और समकालीन हरियाणवी साहित्य का मूल्यांकन बहुत ज़रूरी है। हरियाणवी साहित्य को फूहड़ सांगों, अश्लील रागिनियों और भौंडे चुटकुलों तक सीमित कर देना उचित नहीं है।

उल्लेखनीय है कि साठ महत्त्वपूर्ण पुस्तकों के लेखक और संपादक डॉ. रामनिवास 'मानव' हरियाणा में रचित हिंदी-साहित्य के प्रथम शोधार्थी और अधिकारी विद्वान तो हैं ही, हरियाणा के समकालीन साहित्य की शोध-परंपरा के विधिवत शुभारंभ का श्रेय भी इन्हें प्राप्त है। 'हरियाणा में रचित सृजनात्मक हिंदी-साहित्य' और 'हरियाणा में रचित हिंदी-महाकाव्य' इनके दो चर्चित शोधग्रंथ हैं। 'हरियाणवी : बोली और साहित्य' तथा 'हरियाणवी' इनकी हरियाणवी पर केंद्रित दो शोधपरक और समीक्षात्मक पुस्तकें हैं। 'हरियाणवी' पुस्तक केंद्रीय साहित्य अकादमी के अनुरोध पर लिखी गई थी तथा इसे 'हिंदी की सहभाषा' शृंखला के अंतर्गत साहित्य अकादमी द्वारा ही प्रकाशित किया गया था।

डॉ० सत्यवान सौरभ,
कवि, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट,

– :सौजन्य :–

ईवी ड्राइव द फ्यूचर

अगले 6 साल में ईवी का दिखेगा दम

परिवहन विशेष न्यूज

भारत सरकार देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला के स्थानीयकरण पर जोर दे रही है। सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक देश में बिकने वाले 30% वाहन इलेक्ट्रिक हों। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है, ₹हमारा अनुमान है कि टाटा और जेएसडब्ल्यू ग्रुप अकेले ही आने वाले दशक में इलेक्ट्रिक वाहन और इलेक्ट्रिक वाहन घटकों में 30 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश करेंगे, जिसमें से लगभग 10 बिलियन डॉलर दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया (एसएसईए) में होंगे। दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में भारत में अपार संभावनाएं हैं। यहां एक बहुत बड़ा बाजार है जो ईवी से संबंधित निवेश को आकर्षित करता है। समय के साथ भारत में ईवी अपनाने में तेजी आएगी क्योंकि ऐसे मॉडल लॉन्च किए जाएंगे जो आईसीई मॉडल की कीमतों के अनुरूप होंगे और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाइब्रिड और सीएनजी से चलने वाले वाहन, हल्के वाहन और यात्री वाणिज्यिक वाहन खंड ईवी के साथ-साथ महत्वपूर्ण बाजार हिस्सेदारी हासिल करेंगे।"

सरकार ने हाल ही में पीएम ई-ड्राइव योजना शुरू की है, जिसमें दो साल की अवधि में 10,900 करोड़ रुपये का वित्तीय परिव्यय है। पीएम ई-ड्राइव योजना ईवी अपनाने में तेजी लाने और देश भर में महत्वपूर्ण चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में आईसीई से संक्रमण शुद्ध विद्युतीकरण के बजाय अन्य वैकल्पिक ईंधन की ओर होगा।

आयात और विदेशी निवेश पर सरकारी नीतियां भारत के वाहन विद्युतीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। कोरियाई कंपनियों हुंडई मोटर और किआ के लिए भारत महत्वपूर्ण बना हुआ है। जो एक साथ भारत में दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता के रूप में अपनी पहचान बनाते हैं। भारतीय बाजार वर्ष 2023 में समूह की वैश्विक बिक्री मात्रा का 12 प्रतिशत हिस्सा था।

हुंडई भारत में निवेश करने की योजना पर काम कर रही है, जिसमें स्थानीय ईवी उत्पादन भी शामिल है। कंपनी जनवरी 2025 में भारत में बना अपना पहला पूरी तरह से इलेक्ट्रिक मॉडल पेश करेगी। कंपनी ने हाल ही में भारत में एक आईपीओ पेश किया है। इससे प्राप्त राशि का एक हिस्सा कंपनी के विकास और बाजार में उत्पाद सुधार को आगे बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

रिपोर्ट में कहा गया है, ₹हमारा मानना है कि टाटा मोटर्स के पास ईवी निवेश करने के लिए अपने क्रेडिट मेट्रिक्स में पर्याप्त वित्तीय गुंजाइश है।₹ सितंबर 2024 में, फर्म ने दक्षिणी भारतीय राज्य तमिलनाडु में एक नए ईवी प्लांट में लगभग 1 बिलियन डॉलर का निवेश करने की योजना की घोषणा की।

इसकी मूल कंपनी टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड ने उत्तर-पश्चिमी राज्य गुजरात में 20 गीगावाट घंटे की शुरुआती क्षमता वाले लिथियम-आयन बैटरी प्लांट में निवेश की भी घोषणा की है। यह प्लांट उस क्षेत्र में ईवी आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने में मदद करेगा। रिपोर्ट का अनुमान है कि प्रमुख कार निर्माता अगले कुछ वर्षों में दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन पर 20 बिलियन डॉलर से अधिक खर्च करेंगे।

काबू पा सकता है क्या भारत उच्च उत्पादन इथेनॉल की आर्थिक चुनौतियों पर

परिवहन विशेष न्यूज

इथेनॉल मिश्रण की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षी पहल में बाधा आ गई है। 2जी इथेनॉल उत्पादन कार्यक्रम, जिसे कभी गेम-चेंजर के रूप में प्रचारित किया गया था, अब उच्च उत्पादन लागत के कारण महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। जबकि सरकार का 2025 तक 20% इथेनॉल मिश्रण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य बना हुआ है, 2जी इथेनॉल उत्पादन की आर्थिक व्यवहार्यता तेजी से जांच के दायरे में आ रही है।

इस मुद्दे की जड़ 2जी इथेनॉल की उत्पादन लागत में निहित है, जो लगभग 160 रुपये प्रति लीटर है। यह मूल्य बिंदु, लक्जरी कारों और मोटरसाइकिलों में उपयोग किए जाने वाले प्रीमियम 100-ऑक्टेन ईंधन की कीमत के बराबर है, जिससे तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए सरकारी सहायता के बिना अतिरिक्त लागत को अवशोषित करना मुश्किल हो जाता है।

समानांतर रूप से, यहां तक कि मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) भी कुछ कर छूट और अन्य प्रोत्साहनों की मांग कर रहे हैं, क्योंकि उच्च इथेनॉल प्रतिशत वाले ईंधन से वाहनों को चलाने के लिए इंजनों में संशोधन करने की आवश्यकता होती है।

इसके अलावा, जैसे-जैसे भारत शैवाल से प्राप्त 3जी इथेनॉल की संभावित शुरूआत के लिए तैयार हो रहा है, आर्थिक चुनौतियां और भी बढ़ने की संभावना है। 3जी इथेनॉल से जुड़ी उच्च उत्पादन लागत ओएमसी और समग्र इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम पर और अधिक दबाव डाल सकती है।

हाल ही में जयपुर में संपन्न इनफिनम सम्मेलन के दौरान इंडियन ऑयल में अनुसंधान एवं विकास निदेशक आलोक शर्मा ने कहा, ₹सरकार ने इथेनॉल बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के क्षेत्रों के लिए अलग-अलग कीमतों की अनुमति दी है। लेकिन जब आप 2जी इथेनॉल और 3जी इथेनॉल पर आते हैं, तो कीमतें अधिक होती हैं। यहां तक कि ओएमसी ने सरकार से विशेष मूल्य देने के लिए संपर्क किया है, लेकिन सरकार ने इस पर सहमति नहीं जताई है।"

शर्मा ने कहा, ₹1G इथेनॉल में, उत्पादकों के लिए लागत अभी कोई मुद्दा नहीं है।"

जैव ईंधन की तीन पीढ़ियाँ - 1G, 2G और 3G - उनके फीडस्टॉक, विनिर्माण प्रक्रियाओं और संबंधित लागतों द्वारा प्रतिष्ठित हैं। जबकि गन्ना, मक्का और गेहूं जैसी खाद्य फसलों से प्राप्त 1G जैव ईंधन अपेक्षाकृत सस्ते और उत्पादन में सरल हैं, खाद्य संसाधनों पर उनकी निर्भरता चिंता पैदा करती है।

दूसरी ओर 2G जैव ईंधन में गैर-खाद्य, सेल्यूलोसिक बायोमास जैसे कृषि अवशेष और वुडी बायोमास का उपयोग किया जाता है। हालाँकि, इनका उत्पादन एक अधिक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें सेल्यूलोज और हेमीसेल्यूलोज को शर्करा में तोड़ने के लिए पूर्व उपचार की आवश्यकता होती है, उसके बाद किण्वन होता है।

3G जैव ईंधन जो मुख्य रूप से शैवाल से प्राप्त होता है, में तेल निकालने और उन्हें इथेनॉल में परिवर्तित करने से पहले नियंत्रित वातावरण में जीवों की खेती करना शामिल है। यह दृष्टिकोण, हालांकि आशाजनक है, अभी भी अपने प्रारंभिक चरण में है और महत्वपूर्ण तकनीकी और आर्थिक बाधाओं का सामना कर रहा है।

"इसलिए, जब तक हमारे पास अधिदेश नहीं होगा, हम 2G इथेनॉल का उत्पादन करने में भी रुचि नहीं लेंगे क्योंकि इसकी कीमत लगभग 160 रुपये प्रति लीटर आ रही है; इसलिए 2G इथेनॉल के साथ यही समस्या है,₹ शीर्ष कार्यकारी ने बताया। हालांकि, शर्मा ने कहा कि विनिर्माण संयंत्रों की संख्या बढ़ने के साथ, भविष्य में लागत में कमी आने की संभावना है।

नवंबर से अक्टूबर तक चलने वाले इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ESY) में, ESY 2013-14 में पेट्रोल के साथ इथेनॉल का मिश्रण 1.53% के मिश्रण प्रतिशत के साथ 38 करोड़ लीटर था। ESY 2020-21 तक, मिश्रण की मात्रा बढ़कर 302.3 करोड़ लीटर हो गई, जिससे मिश्रण प्रतिशत बढ़कर 8.17% हो गया। इसी अवधि के दौरान, पेट्रोल की खपत में भी लगभग 64% की वृद्धि हुई।

यह गति जारी रही, ESY 2022-23 में मिश्रण बढ़कर 500 करोड़ लीटर से अधिक हो गया, जिससे मिश्रण प्रतिशत बढ़कर 12.06% हो

गया। वर्तमान ESY 2023-24 में, मिश्रण प्रतिशत 31 अगस्त, 2024 तक लगभग 545.05 करोड़ लीटर इथेनॉल मिश्रित होने के साथ 13% से अधिक हो गया। सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है, ₹यह उल्लेखनीय प्रगति समग्र इथेनॉल मिश्रण प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि को रेखांकित करती है, जो 2014 में 1.53% से बढ़कर 2024 में प्रभावशाली 15% हो गई है।₹ सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, पिछले एक दशक में, इस पहल ने महत्वपूर्ण लाभ दिए हैं, जिसमें विदेशी मुद्रा में 1,06,072 करोड़ रुपये की बचत, 544 लाख मीट्रिक टन CO2 उत्सर्जन में कमी और 181 लाख मीट्रिक टन कच्चे तेल का प्रतिस्थापन शामिल है। इसके अलावा, इस कार्यक्रम का आर्थिक प्रभाव भी काफी अच्छा रहा है, जिसमें तेल विपणन कंपनियों ने डिस्टिलर्स को 1,45,930 करोड़ रुपये और किसानों को 87,558 करोड़ रुपये वितरित किए हैं।

2025 तक 20% इथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, लगभग 1,016 करोड़ लीटर इथेनॉल की आवश्यकता होगी। अन्य उपयोगों सहित इथेनॉल की कुल मांग लगभग 1,350 करोड़ लीटर होने का अनुमान है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, 2025 तक लगभग 1,700 करोड़ लीटर की इथेनॉल उत्पादन क्षमता स्थापित की जानी चाहिए, बशर्ते कि संयंत्र 80% दक्षता पर काम करें।

भारत के इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम के लिए आगे की राह चुनौतियों से भरी हुई है, खास तौर पर 2जी और 3जी इथेनॉल उत्पादन की आर्थिक व्यवहार्यता के संबंध में। जबकि 1जी इथेनॉल मिश्रण में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, लेकिन बाद की पीढ़ियों की उच्च उत्पादन लागत एक महत्वपूर्ण बाधा उत्पन्न करती है।

जब तक सरकार मूल्य प्रोत्साहन और कर छूट सहित सहायक नीतियों को लागू नहीं करती, तब तक 2025 तक 20% इथेनॉल मिश्रण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करना मुश्किल साबित हो सकता है। यह देखना अभी बाकी है कि क्या सरकार इन चुनौतियों का समाधान करने और भारत के इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाएगी।

ऑटोमोटिव पार्ट्स की दिग्गज कंपनियों को टक्कर देने के लिए ग्रीव्स रिटेल की महत्वाकांक्षी पहल, 'भारत का ग्रिंगर' बनना

परिवहन विशेष न्यूज

165 साल पुरानी ग्रीव्स कॉटन की मामूली लेकिन अत्यधिक लाभदायक शाखा ग्रीव्स रिटेल, भारत के संगठित ऑटोमोटिव और औद्योगिक स्पेयर पार्ट्स चेन बाजार में लगातार अपनी पहचान बना रही है। सीमित प्रतिस्पर्धा के बीच, कंपनी की महत्वाकांक्षा वैश्विक वितरण दिग्गजों जैसे कि ग्रिंगर इंक. को टक्कर देने की है, जो अमेरिका, जापान और ब्रिटेन में NYSE-सूचीबद्ध पार्ट्स आपूर्ति व्यवसाय की अग्रणी कंपनी है।

मल्टी-ब्रांड, ईंधन-अज्ञेय वितरक के रूप में, ग्रीव्स रिटेल विभिन्न क्षेत्रों में फैले वाणिज्यिक वाहनों के लिए घटकों की एक विस्तृत श्रृंखला की आपूर्ति करता है। हालाँकि यह MyTVS और Bosch के ऑटोमोटिव पार्ट्स डिवीजन जैसे भारतीय प्रतिस्पर्धियों के साथ काम करता है, लेकिन ग्रीव्स उत्पाद रेंज और सेवा मॉडल के मामले में खुद को ग्रिंगर जैसे अमेरिकी समकक्षों के करीब रखने का दावा करता है - हालाँकि भारतीय बाजार पर उसका पूरा ध्यान है।

ग्रीव्स रिटेल के सीईओ नरसिंह जयकुमार कहते हैं, ₹हम खुद को मल्टी-ब्रांड, ईंधन-अज्ञेय स्पेयर पार्ट्स वितरक के रूप में देखते हैं, जो कुछ हद तक अमेरिका में ग्रिंगर जैसा है।₹ हालांकि, ग्रीव्स के मॉडल में एक महत्वपूर्ण अंतर यह है कि इसका विशेष ध्यान ऑन-रोड और ऑफ-रोड दोनों तरह के वाणिज्यिक वाहनों पर है। ग्रीव्स निजी वाहनों से दूर रहता है, इसके बजाय औद्योगिक संपत्तियों पर ध्यान केंद्रित करता है, जहां आजीविका को बनाए रखने के लिए परिचालन अपटाइम आवश्यक है।

जैसा कि जयकुमार बताते हैं, ₹हम निजी वाहनों की सेवा नहीं करते हैं। हमारी प्राथमिकता ट्रकों और क्रेन जैसे वाणिज्यिक वाहनों के लिए अपटाइम सुनिश्चित करना है, जहां डाउनटाइम सीधे राजस्व और आजीविका को प्रभावित करता है।"

हाल के महीनों में, ग्रीव्स ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार तीन पहिया वाहनों के पारंपरिक बाजार से आगे बढ़ाते हुए, अब दोपहिया वाहनों, इलेक्ट्रिक वाहनों और निर्माण उपकरणों के लिए घटक पेश किए हैं। उल्लेखनीय रूप से, कंपनी की इलेक्ट्रिक वाहन पेशकशों में मोटर, नियंत्रक और चार्जर शामिल हो गए हैं, साथ ही कई प्रमुख ओईएम के साथ नए समझौते भी किए गए हैं। निर्माण भागों की लाइन का भी विस्तार हुआ है, जिसे एक्सेल कंट्रोल लिंकेज के अधिग्रहण से बल मिला है, जो ओईएम टाटा और हुंडई को प्रमुख घटक आपूर्ति करता है।

भारत के ऑटोमोटिव पार्ट्स बाजार में विकास की काफी संभावनाएं हैं। वित्त वर्ष 24 के अंत तक, इस क्षेत्र का मूल्य लगभग 74 बिलियन डॉलर था, जिसमें अकेले आफ्टरमार्केट की बिक्री में 20% से अधिक की हिस्सेदारी थी। उद्योग के पूर्वानुमानों से पता चलता है कि बाजार 25.7% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ेगा, जो 2028 तक 115.79 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा, जो वाहनों की बढ़ती मांग, विशेष रूप से कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट और सहायक सरकारी नीतियों से प्रेरित है।

इलेक्ट्रिक वाहनों में ग्रीव्स का विस्तार विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि भारत भर में ई-रिक्शा जैसे इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर्स में उछाल आया है। ₹इंटेल इनसाइड₹ रणनीति के माध्यम से, ग्रीव्स इन वाहनों के लिए महत्वपूर्ण घटकों की आपूर्ति करता है, बिना वाहनों का निर्माण किए। कंपनी ने 40 से अधिक OEM और 200 आफ्टरमार्केट वितरकों के साथ साझेदारी विकसित की है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि इसके उत्पाद 20,000 मैकेनिक्स और 10,000 खुदरा विक्रेताओं के विशाल नेटवर्क तक पहुँचें।

ग्रीव्स ने डिजिटल नवाचार को भी अपनाया है। मैकेनिकों के लिए इसका लॉयल्टी प्रोग्राम मोबाइल ऐप के ज़रिए पुरस्कार देकर असली पुर्जों के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करता है। जयकुमार इसकी सफलता को दर्शाने वाला एक किस्सा सुनाते हैं: एक मैकेनिक इस प्रोग्राम के ज़रिए जमा किए गए पॉइंट्स का इस्तेमाल करके अपनी बेटी की शादी का खर्च उठाने में सक्षम था। यह पहल नकली पुर्जों से निपटने की कंपनी की रणनीति का भी हिस्सा है, जो चीन से सस्ते, कम गुणवत्ता वाले आयातों की आमद के कारण बाजार में एक लगातार समस्या है।

निर्माण उपकरण क्षेत्र ग्रीव्स के लिए अवसर का एक और क्षेत्र है। भारत में चल रहे बुनियादी ढांचे के विकास ने क्रेन और सीमेंट मिक्सर जैसी मशीनरी के लिए स्पेयर पार्ट्स की मांग को बढ़ावा दिया है। एक्सेल कंट्रोल लिंकेज के अधिग्रहण के साथ, ग्रीव्स ने इस बड़े पैमाने पर असंगठित बाजार में एक मजबूत प्रवेश किया है, जहां उच्च गुणवत्ता वाले, घरेलू रूप से उत्पादित घटकों की मांग बढ़ रही है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, ग्रीव्स लगातार अपने निर्यात पदचिह्न को बढ़ा रहा है। कंपनी अब बांग्लादेश, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीका के क्षेत्रों सहित 19 से अधिक देशों को निर्यात करती है, जहाँ भारतीय मूल के वाणिज्यिक वाहन प्रचलित हैं। जयकुमार ने कहा, ₹इसलिए यह कुछ ऐसा है जिसके लिए हमारे पास विदेशी और घरेलू दोनों ही तरह के वितरण नेटवर्क हैं।"

धीमी गति के बीच 2024 में कार निर्माताओं के लिए बंपर दिवाली

परिवहन विशेष न्यूज

त्योहारी सीजन से पहले इन्वेंट्री बनाने का कार निर्माताओं का निर्णय कारगर साबित हो रहा है तथा वाहन के आंकड़ों के अनुसार 29 अक्टूबर तक यात्री वाहनों का पंजीकरण रिकॉर्ड 4,25,000 इकाई तक पहुंच गया है।

यह रिकार्ड पिछले वर्ष अक्टूबर माह की दैनिक पंजीकरण दर से 27% अधिक है तथा माह के अंत तक यह 450,000 इकाई तक पहुंचने की संभावना है।

यह इस साल अक्टूबर में 14,732 इकाइयों की दैनिक पंजीकरण दर के बराबर है, जो पिछले अक्टूबर की 11,560 इकाइयों की दैनिक दर की तुलना में 27% अधिक है। यदि यह दर गुरुवार, 31 अक्टूबर तक जारी रहती है, तो यात्री वाहन पंजीकरण 450,000 इकाइयों तक पहुँचने की उम्मीद है। यात्री कार पंजीकरण के लिए पिछला शिखर जनवरी 2024 में 3,99,112 इकाइयाँ थीं।

पंजीकरण में वृद्धि का श्रेय इस वर्ष एक अनोखी घटना को दिया जा सकता है। नवरात्रि, दशहरा, धनतेरस और दिवाली के मुख्य त्योहार, जो आमतौर पर दो महीनों में होते हैं, इस वर्ष अक्टूबर में पड़े, जिससे उच्च मांग का एक केंद्रित समय बना।

इस वर्ष त्योहारों का चरम 3 अक्टूबर को शुरू हुआ, जबकि पिछले वर्ष यह 15 अक्टूबर को शुरू हुआ था। 3 अक्टूबर से शुरू हुए इस त्योहारी सीजन के पहले 27 दिनों में ही यात्री कारों का पंजीकरण 4,15,000 इकाई तक पहुंच चुका है।

4,25,000 इकाइयों का यह वर्तमान आंकड़ा वाहन पोर्टल पर सूचीबद्ध मोटर कारों और मोटर कैब दोनों को शामिल करता है। औसतन 2024 में मासिक वाहन पंजीकरण लगभग 3,33,000 इकाइयाँ रहे हैं, जो पिछले वर्ष के मासिक औसत से 5% की वृद्धि को दर्शाता है और वर्ष-दर-वर्ष पंजीकरण को प्रभावशाली 3.3 मिलियन इकाइयों तक ले जाता है। 2023 में कुल यात्री कार पंजीकरण 3.8 मिलियन इकाइयों तक पहुँच गया, जिसमें अंतिम दो महीनों में उल्लेखनीय 0.65 मिलियन इकाइयों का योगदान रहा।

आश्चर्य की बात नहीं है कि कार निर्माता अपनी उम्मीदों को फिर से निर्धारित कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि त्योहारों का मौसम अच्छा रहेगा। भारत की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी के मार्केटिंग और बिक्री के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी पार्थो बनर्जी ने कहा, ₹इस महीने हमारा लक्ष्य कम से कम 2,00,000 वाहन डिलीवर करना और पूरे नेटवर्क में इन्वेंट्री कम करना है। महीने के अंत तक हमारी नेटवर्क इन्वेंट्री लगभग 30 दिनों की होनी चाहिए।₹

मारुति सुजुकी ने अपनी आय के बाद की कॉन्फ्रेंस कॉल में खुलासा किया कि त्योहारी बिक्री की मात्रा (श्राद्ध से दिवाली तक) में साल-दर-साल 14% की वृद्धि हुई है, जिसका लक्ष्य वित्त वर्ष 25 के लिए 3-4% खुदरा बिक्री वृद्धि है। इसके अतिरिक्त, प्रबंधन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दूसरी तिमाही में ग्रामीण बाजार ने शहरी क्षेत्रों से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें ग्रामीण विकास शहरी बाजार में साल-दर-साल गिरावट के विपरीत रहा।

टाटा मोटर्स के प्रवक्ता ने बताया कि त्योहारी सीजन के कारण अक्टूबर में रजिस्ट्रेशन में पिछले साल की तुलना में 30% की वृद्धि हुई है, जिससे यह महीना टाटा मोटर्स के लिए रजिस्ट्रेशन के मामले में अब तक का सबसे अधिक महीना बन गया है। उन्होंने कहा, ₹धनतेरस पर हम 15,000 से अधिक वाहन डिलीवर करेंगे, जो हमारे पोर्टफोलियो में हाल ही में लॉन्च किए गए वाहनों सहित मजबूत मांग के कारण संभव हो पाया है।"

प्रवक्ता ने यह भी कहा कि कंपनी ने मजबूत वृद्धि देखी है, पिछले साल के इसी महीने की तुलना में अक्टूबर में पंजीकरण में 30% की वृद्धि हुई है।

"परिणामस्वरूप, इस अक्टूबर में, टाटा मोटर्स के लिए कुल पंजीकरण अब तक के सबसे अधिक होने की उम्मीद है। धनतेरस पर हम नए लॉन्च सहित पूरे पोर्टफोलियो की मजबूत मांग के आधार पर 15,000 से अधिक वाहन वितरित करेंगे।"

दिलचस्प बात यह है कि इसमें गति पिछले सप्ताह ही आई है, जब देशभर में पंजीकरण में 1 लाख से अधिक इकाइयों की वृद्धि हुई है।

प्रमुख ऑटोमोटिव डीलर लैंडमार्क कार्स के चेयरमैन और कार्यकारी निदेशक संजय ठक्कर का कहना है कि अभी सेंटीमेंट सकारात्मक है और सभी ब्रैंड्स में बिक्री बढ़ी है। "अक्टूबर का महीना बहुत अच्छा होना चाहिए और हमें उम्मीद है कि यह अगले महीने भी जारी रहेगा। महीने की शुरुआत मामूली रही, लेकिन अभी बाजार में तेजी है और महीने का अंत भी अच्छी स्थिति में होना चाहिए।"

3 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक के पहले तीन हफ्तों में यात्री वाहनों का पंजीकरण मात्र 2% रहा, जिसमें 307,000 यूनिट पंजीकृत हुए, जबकि 2023 में नवरात्रि से शुरू होने वाले त्योहारी सीजन के तीन हफ्तों में यह आंकड़ा 3,07,000 यूनिट रहा।

पिछले सप्ताह में शानदार डिलीवरी के साथ डीलरशिप पर स्टॉक में भी सुधार होने की संभावना है। त्योहारी सीजन की शुरुआत में, इन्वेंट्री 7,50,000 और 8,00,000 इकाइयों के बीच थी, जो ढाई महीने के थोक वॉल्यूम के बराबर थी। पांच महीनों में पहली बार खुदरा पंजीकरण थोक वॉल्यूम से 70,000 इकाइयों से अधिक होने वाला है, जिससे डीलरशिप को स्टॉक कम करने में मदद मिलेगी।

पंजीकरण में यह सकारात्मक रुझान ऑटोमोटिव बाजार के लिए उत्साहजनक है, क्योंकि यह त्योहारी सीजन में मजबूत मांग और बेहतर इन्वेंट्री स्तर का संकेत देता है।

एसएंडपी ग्लोबल मोबिलिटी के एसोसिएट डायरेक्टर गौरव वंगाल का कहना है कि खुदरा बिक्री अब तक की सबसे अधिक होने वाली है, जिससे इन्वेंट्री के ढेर को कम करने में मदद मिल सकती है। वंगाल ने कहा, ₹यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह गति जारी रहती है। हर साल की तरह, चालू तिमाही में भी मौसमी प्रभाव रहेगा, असली तस्वीर जनवरी से मार्च की तिमाही में ही दिखाई देगी।"

त्योहारी मांग ने वित्त वर्ष 2025 में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री को पहुंचा दिया सर्वकालिक उच्चस्तर पर

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रीन मोबिलिटी के लिए उपभोक्ताओं की बढ़ती पसंद और इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स के स्वामित्व की कम कुल लागत के कारण देश के प्रमुख मेट्रो शहरों के साथ-साथ टियर-2 और टियर-3 बाजारों में ई-टू-व्हीलर की मांग बढ़ रही है। इसके परिणामस्वरूप इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार इस वित्तीय वर्ष में अपने उच्चतम बिक्री स्तर पर पहुंच गया है।

भारत के शीर्ष इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता ओला इलेक्ट्रिक के साथ सबसे आगे हैं और दूसरे स्थान पर टीवीएस मोटर्स और उसके बाद बजाज ऑटो हैं। वाहन पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार 28 अक्टूबर को इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की कुल बिक्री 1,09,643 यूनिट तक पहुंच गई है। दिवाली, धनतेरस और नवरात्रि के साथ-साथ अक्टूबर में बिक्री ने जुलाई में बनाए गए 1,07,612 यूनिट के पिछले रिकॉर्ड को पार कर लिया है।

विश्लेषकों का अनुमान है कि बिक्री बढ़कर 1,15,000 इकाई हो जाएगी, जो कि सितम्बर में बेची गई 88,156 इकाइयों से उल्लेखनीय वृद्धि है तथा कुल ईवी बिक्री पिछले महीने की

तुलना में 30-35% अधिक होगी।

लास्ट-माइल डिलीवरी स्टार्टअप मोटरवे मोबिलिटी के संस्थापक डॉ. श्याम मोहन ने कहा, ₹हालांकि यह आंकड़ा पिछले वित्तीय वर्ष के मार्च 2024 में बेचे गए 1,36,560 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर के रिकॉर्ड से कम है, फिर भी यह एक मजबूत बाजार प्रदर्शन का प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि आने वाले दिनों के भीतर बिक्री आसानी से लगभग 1,15,000 इकाइयों तक पहुंच सकती है।"

सेवा वितरण मुद्दों पर आलोचना और सोशल मीडिया पर आलोचना के बावजूद, बाजार की अग्रणी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने 32,836 इकाइयों की बिक्री की सूचना दी, जो पिछले महीने की 25,000 इकाइयों से लगभग 30% अधिक है। कंपनी के सूत्रों के अनुसार चल रहे विवाद ने ब्रांड में उपभोक्ता विश्वास को कम नहीं किया है, बल्कि मजबूत बना हुआ है।

कंपनी ने कहा कि यह गति पूरे त्योहारी सीजन और नये साल तक जारी रहने की उम्मीद है।

इसके अलावा कई ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर कई इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीद के लिए उपलब्ध होने और फ्लिपकार्ट जैसे प्रमुख ब्रांडों की ओर से महत्वपूर्ण त्योहारी प्रमोशन के कारण बिक्री में और वृद्धि होने की उम्मीद है।

28 अक्टूबर को वाहन के आंकड़ों के अनुसार, टीवीएस मोटर्स और बजाज ऑटो दोनों इस महीने बिक्री रिकॉर्ड स्थापित करने की राह पर हैं। टीवीएस वर्तमान में दूसरी सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता है और उसने लगभग 23,867 इकाइयां बेची हैं।

30 अक्टूबर के वाहन डेटा के अनुसार, एथर एनर्जी ने अक्टूबर में अपने अब तक के सबसे अधिक मासिक डिस्पैच दर्ज किए, जिसमें देश भर में 20,000 से अधिक स्कूटर भेजे गए। यह वृद्धि एथर के सितंबर के खुदरा प्रदर्शन के बाद है, जब 12,828 वाहन बेचे गए थे।

यह एथर को अब तक की सबसे बड़ी मासिक बिक्री का स्थान दिलाता है। कंपनी के नए लॉन्च किए गए पारिवारिक स्कूटर, रिज्टा ने इस महीने की कुल बिक्री का लगभग 60%-70% हिस्सा लिया।

एथर एनर्जी ने पिछले अक्टूबर से बिक्री में 141.8% की वार्षिक वृद्धि का अनुभव किया और 31 अक्टूबर तक यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।

वाहन के आंकड़ों के अनुसार त्योहारी उछाल से हीरो मोटोकॉर्प और ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसी अन्य इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माताओं को भी फायदा हुआ है, जिनकी बिक्री में काफी वृद्धि हुई है।

एक देश एक शिक्षा प्रणाली

विजय गर्ग

जैसे पूरे देश में एक कर है उसी प्रकार पूरे देश में एक समान शिक्षा भी होनी चाहिए

आरक्षण से 75 साल में नहीं बल्कि 7500 साल में भी सबको समान अवसर नहीं मिलेगा। सबको समान अवसर उपलब्ध कराना है तो 12वीं तक समान शिक्षा (एक देश एक शिक्षा बोर्ड और एक देश एक पाठ्यक्रम) लागू करना होगा। देखा जाये तो स्कूल माफियाओं के दबाव में 12वीं तक एक देश एक शिक्षा बोर्ड लागू नहीं हुआ। कोचिंग माफियाओं के दबाव में 12वीं तक एक देश एक पाठ्यक्रम लागू नहीं हुआ। किताब माफियाओं के दबाव में हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान की एक किताब लागू नहीं हुई। समान शिक्षा बिना समता-समरसता मूलक समाज की स्थापना नामुमकिन है इसलिए जिस प्रकार पूरे देश में ₹एक देश-एक कर₹ लागू किया गया, उसी प्रकार 10वीं तक ₹एक देश-एक सिलेबस₹ भी लागू करना अति आवश्यक है। पढ़ने-पढ़ाने का माध्यम भले ही अलग हो लेकिन सिलेबस पूरे देश में एक समान होना चाहिए और किताब एक होनी चाहिए।

वर्तमान समय में स्कूलों की पांच कैटेगरी हैं और किताब भी पांच प्रकार की हैं। आर्थिक रूप से कमजोर और गरीबी रेखा से नीचे के बच्चों की किताब और सिलेबस अलग है, निम्न आय वर्ग के बच्चों की किताब और सिलेबस अलग है, मध्यम आय वर्ग के बच्चों की किताब और सिलेबस अलग है, उच्च आय वर्ग के बच्चों की किताब और सिलेबस अलग है तथा संभ्रांत वर्ग के बच्चों की किताब और सिलेबस बिलकुल ही अलग है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली संविधान की मूल भावना के बिलकुल विपरीत है। यह समता, समानता और समरसता मूलक समाज के निर्माण की बजाय जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद, संप्रदायवाद, वर्गवाद, कट्टरवाद और मजहबी उन्माद को बढ़ाती है लेकिन किताब माफियाओं, कोचिंग माफियाओं और स्कूल माफियाओं के दबाव के कारण मैकाले द्वारा बनाई गई शिक्षा प्रणाली आज भी लागू है।

यदि बोर्ड के हिसाब से देखें तो सीबीएसई की किताब और सिलेबस अलग, आईसीएसई की किताब और सिलेबस अलग, बिहार बोर्ड की किताबें और सिलेबस अलग, बंगाल बोर्ड की किताबें और सिलेबस अलग, असम बोर्ड की किताबें और सिलेबस अलग, कर्नाटक बोर्ड की किताबें और सिलेबस अलग, तमिलनाडु बोर्ड की किताबें और सिलेबस अलग, तथा गुजरात बोर्ड की किताबें और सिलेबस सबसे अलग हैं,

किताबें और सिलेबस अलग ,तथा पंजाब बोर्ड

जबकि भारतीय प्रशासनिक सेवा, इंजीनियरिंग, मेडिकल, रक्षा सेवा, बैंक और अध्यापक पात्रता परीक्षा सहित अधिकांश प्रतियोगी परीक्षाएं राष्ट्रीय स्तर पर पर होती हैं और पेपर भी एक होता है परिणाम स्वरूप इन प्रतियोगी परीक्षाओं में देश के सभी छात्र-छात्राओं को समान अवसर नहीं मिलता है।

भारतीय संविधान के आर्टिकल 14 के अनुसार देश के सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हैं, आर्टिकल 15 के अनुसार जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, रंग-रूप लिंग और जन्म स्थान के आधार पर किसी भी भारतीय नागरिक से भेदभाव नहीं किया जा सकता है तथा आर्टिकल 16 के अनुसार नौकरियों में देश के सभी युवाओं को समान अवसर मिलना चाहिए। आर्टिकल 17 शारीरिक और मानसिक छूआछूत को प्रतिबंधित करता है और आर्टिकल 19 प्रत्येक नागरिक को देश में कहीं भी भ्रमण करने, बसने और रोजगार-व्यापार करने का अधिकार प्रदान करता है। आर्टिकल 21ऐ के अनुसार शिक्षा 14 वर्ष तक के सभी बच्चों का मौलिक अधिकार है। आर्टिकल 38(2) के अनुसार केंद्र और राज्य सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह समस्त प्रकार की असमानता को समाप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाए। आर्टिकल 39 के अनुसार बच्चों के समग्र, समावेशी और संपूर्ण विकास के लिए कदम उठाना केंद्र और राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। आर्टिकल 46 के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और गरीब बच्चों के शैक्षिक और आर्थिक विकास के लिए विशेष कदम उठाना केंद्र और राज्य सरकार का कर्तव्य है। आर्टिकल 51(ऐ) के अनुसार देश के सभी नागरिकों में भेदभाव की भावना समाप्त करना, आपसी भाईचारा मजबूत करना तथा वैज्ञानिक और तार्किक सोच विकसित करना केंद्र और राज्य सरकार का नैतिक कर्तव्य है लेकिन वर्तमान शिक्षा प्रणाली संविधान के उपरोक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने में पूर्णतः असफल रही है।

इस समय देश में 5+3+2+2+3 शिक्षा व्यवस्था लागू है अर्थात 5 साल प्राइमरी, 3 साल जूनियर हाईस्कूल, 2 साल सेकंडरी, 2 साल हायर सेकंडरी और 3 साल ग्रेजुएशन। यह व्यवस्था वर्तमान परिप्रेक्ष में बिलकुल अप्रभावी और अवांछित है इसलिए इसके स्थान पर 5+5+5 शिक्षा व्यवस्था लागू करना चाहिए अर्थात 5 साल प्राइमरी, 5 साल सेकंडरी और 5 साल ग्रेजुएशन। पढ़ने-पढ़ाने का माध्यम भले ही अलग हो लेकिन 10वीं तक सिलेबस पूरे देश में एक समान होना चाहिए और सभी बच्चों के लिए 10वीं तक शिक्षा अनिवार्य होना चाहिए। संविधान के आर्टिकल 345 और 351 की भावना के अनुसार 10वीं तक तीन भाषाओं का अध्ययन सभी बच्चों के लिए अनिवार्य होना चाहिए।

जिस प्रकार पूरे देश में ₹एक देश-एक कर₹ लागू किया गया, उसी प्रकार 10वीं तक ₹एक देश-एक सिलेबस₹ भी लागू करना अति आवश्यक है। पढ़ने-पढ़ाने का माध्यम भले ही अलग हो लेकिन सिलेबस पूरे देश में एक समान होना चाहिए और किताब एक होनी चाहिए। ₹वन नेशन वन एजुकेशन₹ लागू करने के लिए जीएसटी कौंसिल की तर्ज पर ऐनईटी (नेशनल एजुकेशन कौंसिल) बनाया जा सकता है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को ऐनईसी का चेयरमैन और सभी राज्यों के शिक्षा मंत्री को ऐनईसी का सदस्य बनाया जा सकता है। यदि पूरे देश के लिए एक शिक्षा बोर्ड नहीं बनाया जा सकता है तो केंद्रीय स्तर पर केवल एक शिक्षा बोर्ड और राज्य स्तर पर केवल एक शिक्षा बोर्ड बनाना चाहिए

संसद द्वारा बनाया गया "शिक्षा अधिकार कानून" पूरे देश में लागू है इसलिए एक नया कानून बनाने की बजाय उसमें संशोधन करना चाहिए। वर्तमान कानून में "समान" शब्द जोड़ दिया जाए तो यह "समान शिक्षा अधिकार कानून" बन जाएगा और अभी यह 14 वर्ष तक लागू है उसे 16 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। समान शिक्षा अर्थात ₹एक देश-एक शिक्षा₹ लागू करने से संविधान के आर्टिकल 14 के अनुसार भारत के सभी नागरिकों को समान अधिकार मिलेगा, आर्टिकल 15 के अनुसार जाति धर्म भाषा क्षेत्र रंग-रूप वर्ग और जन्म स्थान के आधार पर चल रहा भेदभाव समाप्त होगा तथा आर्टिकल 16 के अनुसार प्रतियोगी परीक्षाओं और नौकरियों में देश के सभी युवाओं को सबको समान अवसर मिलेगा। समान पाठ्यक्रम लागू करने से आर्टिकल 17 की भावना के अनुसार शारीरिक और मानसिक छुआछूत समाप्त होगा और आर्टिकल 19 के अनुसार प्रत्येक नागरिक को देश में कहीं भी बसने और रोजगार करने का समान अवसर मिलेगा।

आर्टिकल 21ऐ के अनुसार शिक्षा 14 वर्ष तक के सभी बच्चों का मौलिक अधिकार है इसलिए पढ़ने-पढ़ाने की भाषा भले ही अलग हो लेकिन सिलेबस पूरे देश का एक समान होना ही चाहिए। ₹एक देश एक पाठ्यक्रम₹ लागू करने से आर्टिकल 38(2) की भावना के अनुसार समस्त प्रकार की असमानता को समाप्त करने में मदद मिलेगी और आर्टिकल 39 के अनुसार सभी बच्चों का समग्र, समावेशी और संपूर्ण विकास होगा। समान शिक्षा अर्थात समान पाठ्यक्रम लागू करने से आर्टिकल 46 के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और गरीब बच्चों का शैक्षिक और आर्थिक विकास होगा तथा आर्टिकल 51(ऐ) की भावना के अनुसार देश के सभी नागरिकों में भेदभाव की भावना समाप्त होगी, आपसी भाईचारा मजबूत होगा तथा वैज्ञानिक-तार्किक और एक जैसी सोच विकसित करने में मदद मिलेगी, परिणाम स्वरूप देश की एकता अखंडता मजबूत होगी।

जब लद्दाख से लक्षद्वीप और कच्छ से कामरूप तक सिलेबस एक समान होगा, किताब एक होगी और केंद्रीय विद्यालय की तरह स्कूल ड्रेस भी एक होगा तो किताब माफियाओं, कोचिंग माफियाओं और स्कूल माफियाओं पर लगाम लगेगी और शिक्षा का खर्च 50% कम हो जाएगा, चीन सहित दुनिया के कई देशों में समान शिक्षा बहुत पहले से लागू है इसलिए केंद्र सरकार को पूरे देश में समान शिक्षा अर्थात "एक देश एक शिक्षा" लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाना चाहिए।

संपादक की कलम से

जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की बहाली के बाद आतंकी हमलों में आई तेजी

जम्मू-कश्मीर में 10 वर्ष बाद हुए विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक सम्पन्न होने और उमर अब्दुल्ला द्वारा 16 अक्तूबर को मुख्यमंत्री की शपथ ग्रहण करने के बाद यहां लोकतांत्रिक सरकार की बहाली एवं शांति कायम होने की आशा बंधी थी, परंतु ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा। यह शपथ ग्रहण के तुरंत बाद राज्य में हुईं आतंकी ङ्क्षहसा की निम्न घटनाओं से स्पष्ट है :

- 18 अक्तूबर को शोपियां के 'वंदाना मल्होरे' इलाके में आतंकवादियों ने एक गैर स्थानीय व्यक्ति बिहार निवासी मकई विक्रेता की हत्या कर दी।
- 20 अक्तूबर को आतंकवादियों ने गांदरबल में सुरंग निर्माण में लगे मजदूरों पर गोलियां बरसा कर 6 प्रवासी मजदूरों तथा एक कश्मीरी डाक्टर की हत्या और 5 अन्य को घायल कर दिया।
- 24 अक्तूबर दोपहर को आतंकवादियों ने बारामूला जिले के गुलमर्ग इलाके में सेना के एक काफिले पर हमला करके 3 सैनिकों और सेना के 2 पोर्टरों (कुलियों) की जान ले ली तथा 3 अन्य को घायल कर दिया। इसी दिन आतंकवादियों ने पुलवामा जिले के 'बाटागुंड' गांव में उत्तर प्रदेश के एक श्रमिक को गोली मार कर घायल कर दिया।
- और अब 28 अक्तूबर को सुबह के समय 3 आतंकवादियों ने सेना की एक एम्बुलैंस पर हमला कर दिया। इस हमले में हमारे किसी जवान की हानि तो नहीं हुई परंतु मुठभेड़ में आतंकवादियों को ढूंढ निकालने वाला 4 वर्षीय बहादुर कुत्ता 'फैंटम' आतंकियों की गोलीबारी में शहीद हो गया। एक ओर तो सेना आलआऊट अभियान के अंतर्गत आतंकवादियों का सफाया करने में जुटी हुई है परंतु दूसरी ओर पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी हिंसा से बाज नहीं आ रहे तथा पिछले 18 अक्तूबर से अब तक 11 दिनों में ही 11 स्थानीय तथा बाहरी लोगों की हत्या कर चुके हैं।

एक अधिकारी के अनुसार हमलों के लिए आतंकवादी ऐसे स्थानों का चुनाव करते हैं कि जिनके आसपास जंगल और पहाडियां हों ताकि हमला करने के बाद वे घने जंगलों और पहाडियों में जाकर छिप सकें।

इस बात की पूरी आशंका है कि आतंकवादियों को स्थानीय लोगों का सहयोग मिल रहा है। कुछ लोग चोरी-छिपे आतंकवादियों के लिए रेकी करने के साथ उन्हें हर तरह की सहायता भी दे रहे हैं। यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि कुछ स्थानों पर आतंकवादी स्थानीय लोगों से बंदूक के बल पर जबरदस्ती भोजन और अन्य प्रकार की सहायता भी प्राप्त करते हैं।

गत 21 अक्तूबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गांदरबल जिले में आतंकवादी हमले की ङ्क्षनदा करते हुए कहा था कि इस जघन्य कृत्य में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। इससे पूर्व केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी पाकिस्तान को आतंक का रास्ता छोडने की नसीहत देने के साथ ही यह चेतावनी भी दे चुके हैं कि देश को खतरा होने पर कोई भी कदम उठाने से संकोच नहीं किया जाएगा। परंतु ऐसा लगता है कि आतंकवादियों पर उनकी बातों का कोई असर नहीं हुआ और वे लगातार हिंसा में जुटे हुए हैं तथा सेना के जवानों एवं स्थानीय तथा बाहरी लोगों को निशाना बना रहे हैं।

नीट युजी 2025 परीक्षा पैटर्न बदला जाएगा ? यहां बताया गया है कि परीक्षा सुधार पर केंद्र के पैनल ने क्या सिफारिश की है

विजय गर्ग

नीट युजी 2025 परीक्षा पैटर्न बदला जाएगा ? यहां बताया गया है कि परीक्षा सुधार पर केंद्र के पैनल ने क्या सिफारिश की है

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी, एनटीए जल्द ही नीट युजी, CUET सीयुईटी, जेईई-मेन सहित सभी महत्वपूर्ण परीक्षाओं के विवरण के साथ परीक्षा कैलेंडर जारी करेगी। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा, एनईईटी यूजी 2025 4 मई, 2025 को आयोजित होने की उम्मीद है। संभावना अधिक है कि एनटीए विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर परीक्षा पैटर्न में बदलाव कर सकता है।

नीट युजी परीक्षा पेपर लीक के जवाब में गठित विशेषज्ञ पैनल जल्द ही सुप्रीम कोर्ट को अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। कर्मचारियों और परीक्षा केंद्रों की आउटसोर्सिंग को कम करना, अधिकतम प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन आयोजित करना और प्रमुख प्रवेश द्वारों में प्रयासों की संख्या को सीमित करना केंद्र द्वारा स्थापित एक उच्च-स्तरीय पैनल द्वारा अनुशंसित उपायों में से एक है।

सुप्रीम कोर्ट ने 21 अक्टूबर को केंद्र को रिपोर्ट जमा करने के लिए दो सप्ताह का अतिरिक्त समय प्रदान किया। इस पैनल का नेतृत्व पूर्व इसरो प्रमुख आर राधाकृष्णन कर रहे हैं। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ₹रिपोर्ट लगभग तैयार है। एनटीए के कामकाज और देश में प्रमुख प्रवेश परीक्षाओं के संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए कई सिफारिशें की जा रही हैं।₹

सूत्र ने कहा, ₹पैनल ने इतने बड़े पैमाने पर परीक्षा आयोजित करने में शामिल जटिलताओं, जोखिमों और सुरक्षा उपायों को संबोधित करने के लिए 22 बैठकें कीं। पैनल ने छात्रों और अभिभावकों सहित हितधारकों से सुझाव भी मांगे थे और प्राप्त 37000 से अधिक सुझावों पर विचार किया।₹ कहा।

पैनल द्वारा ऐससी को सौंपी जाने वाली कई सिफारिशों में से एक सिब्रिड परीक्षाओं का विकल्प चुनना है, जहां ऑनलाइन मोड पर स्विच करना पूरी तरह से संभव नहीं है। यह भी उम्मीद की जाती है कि पैनल मेडिकल प्रवेश एनईईटी सहित प्रमुख परीक्षाओं में प्रयासों की संख्या को सीमित करने और परीक्षाओं की पवित्रता प्रभावित न हो यह सुनिश्चित करने के लिए आउटसोर्स कर्मचारियों और केंद्रों की भूमिका को कम करने की सिफारिश करेगा।

उम्मीद है कि रिपोर्ट अगले सप्ताह अदालत में पेश की जाएगी। रिपोर्ट्स की मानें तो इस बात की संभावना ज्यादा है कि एनटीए नीट समेत सभी बड़ी परीक्षाओं के परीक्षा पैटर्न में बदलाव कर सकता है। आज तक, नीट युजी परीक्षा के लिए प्रयासों की संख्या पर कोई सीमा नहीं है। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपडेट न छूटने के लिए एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर नजर रखें।

आधुनिक विवाह और पुराने विवाह के बीच अंतर: विजय गर्ग

पंजाबी संस्कृति के रंग बहुत खूबसूरत हैं। पंजाब के गांवों में पुराने दिनों को याद करने से मन को शांति मिलती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कुछ समय पहले पंजाब के गांवों में जो कुछ भी हुआ, वह पंजाबी संस्कृति का एक आकर्षक हिस्सा बन गया। जिसमें महिलाएं मिट्टी की झोपड़ियों को रंग रही हैं, शादियों के एक महीने पहले से ही गीत गाना शुरू कर देती हैं, पहियों के घेरे को एक साथ त्रिनशान में बांधती हैं, रंग-बिरंगी दरिया बुनती हैं, गिद्धों के खलिहान को इकट्ठा करती हैं,इसमें वंगा चढ़ाना, आम चूल्हे और तंदूर पर रोटियां बनाना, बड़े पीपल-बोहड़ों के नीचे फूल बांधना आदि शामिल था। यहां तक कि महिलाओं द्वारा घरेलू काम भी मिल-जुलकर करना भाईचारे का निमंत्रण था। पुराने ज़माने में गाँवों में शादी एक घरेलू मामला हुआ करता था, लेकिन अब यह पूरे गाँव का एक सामान्य कार्य बन गया है। यह महिलाओं के लिए सामाजिक मेलजोल और खुशी का माहौल हुआ करता था। शादी वाले घर में साथ जाते हैं, कभी गेहूं साफ करते हैं, कभी दाल बीनते हैं तो कभी शादी में साथ बैठते हैं.वह सुहाग गीत गाती है। उनकी हर हरकत ऐसी थी कि शादी समारोह यादगार बन गया और शादीशुदा जोड़े को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा. जब भी गांव में किसी लड़की की शादी होती तो पूरा गांव बारात के स्वागत की तैयारियों में जुट जाता। महिलाएं, खासकर दुल्हनें नए उपहार देने की तैयारी करने लगीं। उन दिनों बारात के आओ-भगत को विशेष प्राथमिकता दी जाती थी। बारात भी दो-तीन दिन रुकती थी और पूरा गाँव बारात की सेवा में लगा रहता था। कोई बिस्तर सेवा नहींकोई बारात के लिए नहाने के पानी की व्यवस्था करता था तो कोई हलवाई के साथ मिलकर बारात के लिए तरह-तरह की मिठाइयाँ बनाने में लगा हुआ था। महिलाएं एक साथ इकट्ठा होती हैं और गाने गाते हुए खुशी से तवी पर रोटियां या पुराने समय की पोलियां बनाती हैं। ऐसा लग रहा था मानों

एक लड़की की शादी का असर पूरे गांव पर पड़ गया हो. जंझा आने वाले लोगों को जंझा पर चढ़ने की इच्छा भी होती थी। जिस गांव में किसी लड़के की मृत्यु हो जाती है, उसके रिश्तेदारों, गांव के मेले और खास लोगों को मरने पर नए कपड़े मिलते हैं।वे पूरी धूमधाम के साथ अपना रास्ता बनाने और झाँह पर चढ़ने की तैयारी कर रहे थे। किसी भी गांव में वाद्य यंत्रों के साथ जंझा की चढ़ाई का नजारा देखने लायक होता था. उन दिनों जंजा भी रथों, घोड़ों, गाड़ियों या ऊँटों पर यात्रा करता था। मोटर कारों का युग अभी नहीं आया था। ऐसा कहा जाता था कि पूरा गाँव जांझ चारदादी को देखने आता था; इस प्रकार यह समय पूरे गाँव के लिए बहुत सुखद और खुशियों भरा होता था। जाँझी एक दूसरे के साथ मज़ाक करते थे। इसी तरह जब झंझा दूसरे गांव की लड़की के गांव पहुंचता थाझांझियों ने खूब भांगड़ा बजाया और हर बाराती ने खुद को खास मेहमान मानकर धरती पर कदम नहीं रखा. दूसरी ओर, जब भांगड़ा का दौर खत्म हो जाता है, तो दूल्हे दुल्हनों को दरवाजे के बाहर बड़े पीपल या बरगद के पेड़ के नीचे नई बिछी सफेद चटाई पर बैठने के लिए कहते हैं। बाराती उन खंभों पर बैठ कर अपनी कब्रों की देखभाल करते हुए अपने पैरों को मिट्टी से सने रहते थे। यह अवसर होता था बारात के स्वागत का। तो गाँव की महिलाएँ, जिन्होंने पहले से ही पास के छप्परों पर मालाएँ बना रखी थीं, गीतों की वर्षा शुरू कर दी।वह ऐसा करेगी. प्रारंभ में, उन्होंने सम्मानपूर्वक स्वागत गीत गाए और कहते सुने गए; स्वागत गीत के बाद, महिलाएं भी झांझियों को बैठाने लगती थीं और दूल्हे, दूल्हे के पिता और बिचौलिए विशेष रूप से उनके रडार पर होते थे। कभी-कभी तो सोफों पर बैठते ही उन्हें कुछ खाने-पीने का इंतजाम नजर आने लगता था। लड़कियों की ओर से, पहले गाँव का एक व्यक्ति सभी दुल्हनों के सामने पीतल की थालियाँ रखता था, फिर दूसरा आकर पीतल के बड़े गिलास रखता था। इस तरह एक व्यक्ति का पेट लड्डुओं से भर जाता हैयदि दो-दो लड्डू लेकर सभी थालियों में रख दिए जाते तो दूसरा व्यक्ति उन थालियों के लिए जलेबियों की पूरी थाली लाता और प्रत्येक बाराती की थाली में चार-चार जलेबियाँ रख देता। इस अवसर पर बड़ा ही अनोखा दृश्य उपस्थित होता था। इसे और अधिक सांस्कृतिक रंग देने के लिए महिलाएं जोर-जोर से सिठानी का जाप करती हैं और दूल्हे को यह कहकर संबोधित करती हैं; इस आनंदमय समय में दूर-दूर से आए बाराती आज के पांच सितारा होटलों के शाही सोफों से भी ज्यादा आनंद का अनुभव सोफों पर बैठकर भोजन का आनंद लेने में करते थे। एक पासएक जोरदार स्वागत, दूसरा स्थानीय मिठाइयों का स्वाद और तीसरा पंजाबी संस्कृति का स्वाद, उन्हें दूसरी दुनिया में ले जाएगा। हालाँकि शादी साधारण, कम लागत वाली और आज की असाधारण धूमधाम से दूर थी, यह स्नेह, सहयोग, प्रेमपूर्ण मिठास और ग्रामीण इलाकों की खुशबू से भरपूर थी। इस तरह उन्हें सोफे पर बैठकर चाय पीना या रोटी खाना बहुत आनंददायक लगता है और वे झांझी बनकर खुद को भाग्यशाली मानते हैं। यह ग्रामीण संस्कृति का एक रंगीन युग था। बारात भले ही दो-तीन दिन रुकती थी, लेकिन थकता कोई नहीं थाउसकी कोई याददाश्त भी नहीं थी. शादी के दिन वे पास से गुजरते थे। भले ही आज की शादियाँ बड़े-बड़े मैरिज पैलेसों में होती हैं, भव्य तंबू खूब सजाए जाते हैं और खाने के लिए 36 प्रकार के व्यंजन बनाए जाते हैं और अच्छा लुक देने के लिए गोल मेजें लगाई जाती हैं। पुराने पीतल के बर्तनों की जगह नई तरह की थालियों का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन उन पुआल पर बैठकर खाने का आनंद ही अलग था। पुराने बुजुर्ग उन दिनों को याद करते हुए उन दृश्यों के बारे में बात नहीं करतेथका हुआ।

इरादे धुआं धुआं

जलवायु परिवर्तन का प्रकोप पूरी दुनिया को अपने पंजे में कस रहा है। हर कोई वैश्विक उत्सर्जन पर लगाम लगाने की जरूरत रेखांकित करता देखा जाता है। हर वर्ष होने बाले जलवायु सम्मेलन में जैव ईंधन की खपत कम करने, कार्बन उत्सर्जन पर कठोरता से काबू पाने के इरादे जताए जाते हैं। संकल्प लिया गया कि 2030 तक वैश्विक तापमान में वृद्धि को डेढ़ फीसद तक सीमित कर लिया जाएगा। मगर हकीकत यह है कि हर वर्ष तापमान में कुछ वृद्धि दर्ज होती है मौसम का मिजाज बिगड़ चुका है। कहीं अतिवृष्टि से लोग परेशान हैं, तो कहीं अनावृष्टि से बहुत सारे पहाड़ों पर बर्फ गिरनी कम हो गई है। वहां की झीलों का तल चिंताजनक स्तर तक घट गया है। नदियां सूख रही हैं, कृषि उत्पादन पर इसका नकारात्मक प्रभाव चिंता पैदा करता है। फिर भी कहीं कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कटौती नजर नहीं आती। संयुक्त राष्ट्र की जलवायु का आकलन करने वाली संस्था ने अपने ताजा अध्ययन में कहा है कि कार्बन उत्सर्जन रोकने के मामले में अगर यही गति बनी रही, तो वैश्विक उत्सर्जन 2030 से पहले ही अपने चरम पर पहुंच जाएगा। इस संस्था का कहना है कि 2030 तक वैश्विक उत्सर्जन में 2019 के मुकाबले महज 2.6 फीसद की कमी आ सकेगी। अगर वैश्विक तपिश को डेढ़ फीसद पर सीमित रखना है तो 2030 तक वैश्विक उत्सर्जन में तैंतालीस फीसद और 2035 तक साठ फीसद की कमी लानी होगी।

दुनिया के लगभग सभी देशों ने पेरिस जलवायु समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उसमें जैव ईंधन के उपयोग में कटौती करने, हरित ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने, अक्षय ऊर्जा स्रोतों का विकास करने का संकल्प लिया गया था। उसके बाद से हर वर्ष जलवायु सम्मेलन में इकट्ठा होकर सारे देश नई चुनौतियों से पार पाने के लिए मंथन करते और नए समझौतों पर हस्ताक्षर करते हैं। अब बड़ी चिंता यह है कि अगर बढ़ते वैश्विक ताप पर काबू नहीं पाया गया, तो बहुत सारी वनस्पतियां, जीव प्रजातियां समाप्त हो जाएंगी, पहाड़ उजड़ जाएंगे, प्राकृतिक जल स्रोत सूख जाएंगे। बढ़ती गर्मी और जलवायु में असंतुलन के कारण अनेक नई बीमारियां पैदा होंगी, महामारियों की आशंका बढ़ती जाएगी। मगर विकास की दौड़ में शामिल देश औद्योगिक उत्पादन पर किसी भी रूप में लगाम लगाने को तैयार नहीं हैं खनिजों की निकासी पर जोर दिनोदिन बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में जिन देशों से सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन में कटौती करने की उम्मीद की जाती थी, वे कोई न कोई गली निकाल कर इस जिम्मेदारी से बचते देखे जाते हैं। अमेरिका तो पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर करने के कई वर्ष बाद तक इस जिम्मेदारी से बचता रहा।

दरअसल, दुनिया के तमाम विकसित और विकासशील देशों ने विकास का जो माडल अपना रखा है, उसमें कार्बन उत्सर्जन पर काबू पाना कठिन होता गया है। कोई भी देश अपने औद्योगिक विस्तार को रोकना नहीं चाहता। सारी दुनिया में आर्थिक विकास दर बढ़ाने पर जोर है। हालांकि अक्षय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग बढ़ा है, पेट्रोल, डीजल, कोयला आदि की जगह विद्युत चालित वाहनों, उपकरणों का चलन बढ़ रहा है। मगर पर्यावरण को नुकसान केवल जैव ईंधन से नहीं, अतार्किक खनन, उत्पादन की होड़, इलेक्ट्रानिक कचरे के बढ़ते बोझ आदि की वजह से भी है। जब तक विकास का संतुलित, तार्किक और कुदरत से तालमेल बिठाने वाला माडल नहीं अपनाया जाता, वैश्विक उत्सर्जन रोकने के इरादे धुआं धुआं होते रहेंगे।

मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन में बाजार में शानदार तेजी, सेंसेक्स 300 और निफ्टी 90 अंक चढ़कर हुए बंद

परिवहन विशेष न्यूज

आज शेयर बाजार में दीवाली के कारण छुट्टी थी। परंतु बाजार अपने 68 साल की परंपरा को चालू रखते हुए एक घंटे के स्पेशल सेशन के लिए खुला था। दीवाली के दिन होने वाले इस स्पेशल सेशन को मुहूर्त ट्रेडिंग कहा जाता है। आज यह ट्रेडिंग 6 बजे से शुरू होकर 7 बजे तक चलेगी। 6 बजे से पहले बाजार में 15 मिनट का प्री-ओपनिंग सेशन था।

नई दिल्ली। शेयर बाजार में साल 2024 का मुहूर्त ट्रेडिंग शुरू हो गया है। हर साल दीवाली के अवसर पर स्टॉक मार्केट में एक घंटे का स्पेशल ट्रेडिंग सेशन होता है। यह परंपरा शेयर बाजार 68 साल पुरानी है। इस बार मुंबई में दीवाली 1 नवंबर 2024 यानी आज मनाई जा रही है। इस कारणवश शेयर बाजार का स्पेशल ट्रेडिंग सेशन भी आज आयोजित हुआ है।

शेयर बाजार खुलने से पहले सामान्य कारोबारी दिन की तरह 15 मिनट का प्री-ओपनिंग सेशन होता है। आज के प्री-ओपनिंग सेशन में स्टॉक मार्केट के दोनों सूचकांक यानी बीएसई और एनएसई 1 फीसदी की बढ़त के साथ खुलने के संकेत दे रहे हैं।

संवत वर्ष 2081 की शुरुआत के मौके पर निवेशकों द्वारा की गई खरीदारी के चलते विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग के शुरुआती सत्र में बीएसई सेंसेक्स में करीब 448 अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला सूचकांक 447.90 अंक या 0.56 प्रतिशत बढ़कर 79,836.96 पर पहुंच गया। सूचकांक 80,023.75 पर खुला, लेकिन बाद में कुछ लाभ कम हो गया।

टॉप गेनर और लूजर स्टॉक

निफ्टी पर शुरुआती कारोबार में एमएंडएम, आयशर मोटर्स, ओएनजीसी, टाइटन कंपनी, इंडसइंड बैंक के शेयर बढ़त के साथ ट्रेड कर रहे हैं, जबति ब्रिटानिया, सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और एचयूएल के शेयर नुकसान में हैं।

ऑटो सेक्टर में तेजी

नवंबर की पहली तारीख को ऑटो सेल्स की रिपोर्ट आती है। आज भी कई ऑटोमोबाइल कंपनियों ने वाहन ब्रिकी की रिपोर्ट जारी की है। कंपनी द्वारा जारी रिपोर्ट का असर उनके शेयर में देखने को मिल रहा है। आज महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, आइशर मोटर्स के तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। यह तेजी ऑटो सेल्स रिपोर्ट आने के बाद आई है।

करीब 6.30 बजे सेंसेक्स 0.50 फीसदी की तेजी के साथ 79,786.76 अंक पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,329.70 अंक पर आ गया।

निफ्टी बैंक का हाल

आज निफ्टी बैंक 240 अंक की बढ़त के साथ करीब 51,715.25 अंक के आस-पास कारोबार कर रहा है। निफ्टी बैंक में 11 बैंकिंग शेयर तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं, जबकि 1 शेयर गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे हैं।

इन शेयरों में दिखी जबरदस्त खरीद

मुहूर्त ट्रेडिंग में ऑटो सेक्टर के शेयरों के साथ बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में भी शानदार तेजी देखने को मिली। निफ्टी की वेबसाइट के अनुसार अदाणी पोर्ट, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, NTPC, PNB, जोमैटो, भारत डायनेमिक, आईआरबी इन्फ्रा और पीरामल फार्मा के शेयर में 5 फीसदी की तेजी आई। वहीं महिंद्रा एंड महद्रि के शेयर 3 फीसदी चढ़े। निफ्टी की अधिकारिक वेबसाइट के अनुसार 157 शेयरों में अपर सर्किट और 16 शेयरों में लोअर सर्किट लगा है।

आज आईटी सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। एनएसई का 50 शेयरों वाला निफ्टी 150.10 अंक या 0.62 प्रतिशत बढ़कर 24,355.45 पर पहुंच गया, जिसमें से 47 घटक हरे निशान में बंद हुए।

शेयरों का हाल

आज आईटी शेयरों के अलावा बाकी सभी सेक्टर के शेयरों में तेजी रही। ऑटो, रियल्टी और पावर सेक्टर में 1 फीसदी की तेजी देखने को मिली। अगर आज के टॉप गेनर शेयर की बात करें तो वह निफ्टी में एमएंडएम, ओएनजीसी, अदानी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा मोटर्स रहे। वहीं डॉ. रेड्डीज लैब्स, एचसीएल टेक, ब्रिटानिया, टेक महिंद्रा और अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए।

ग्लोबल मार्केट का हाल

शुरुआती कारोबार में यूरोपीय शेयरों में बढ़त के कारण वैश्विक बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। ज्यादातर एशियाई बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। जापान का बेंचमार्क निक्केई 225 2.6 प्रतिशत गिरा, शंघाई कंपोजिट 0.2 प्रतिशत फिसल गया और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.5 प्रतिशत गिर गया। हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 0.9 प्रतिशत बढ़ा।

क्या है मुहूर्त ट्रेडिंग

दीवाली का त्योहार रोशनी के साथ सुख समृद्धि का माना जाता है। इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा होती है। इसके अलावा यह दिन किसी भी काम के लिए शुभ माना जाता है। ऐसे में पिछले 68 साल से शेयर बाजार दीवाली के त्योहार वाले शाम को मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए खुलता है। माना जाता है कि इस दिन निवेश करना शुभ होता है।

एप्पल की दूसरी तिमाही में कुल बिक्री छह प्रतिशत बढ़ी, सीईओ टिम कुक ने कहा- भारत में चार नए स्टोर खोलने को लेकर उत्साहित

नई दिल्ली। आईफोन (iPhone) बनाने वाली कंपनी एपल (Apple) ने भारत में अभी तक का रिकॉर्ड राजस्व दर्ज किया है। जुलाई-सितंबर 2024 में देश में आइपैड की बिक्री में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी ने बताया, इस दौरान कुल बिक्री छह प्रतिशत से अधिक बढ़कर 94.93 अरब डॉलर हो गई, जो एक वर्ष पूर्व 89.49 अरब डॉलर थी।

कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक (Tim Cook) ने कंपनी की आय की जानकारी देते हुए कहा, 'हमने अमेरिका, यूरोप तथा शेष एशिया प्रशांत क्षेत्र के साथ-साथ अमेरिका, ब्राजील, मैक्सिको, फ्रांस, ब्रिटेन, कोरिया, मलेशिया, थाइलैंड, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई देशों में सितंबर तिमाही में राजस्व रिकार्ड दर्ज किया है।

भारत में खुले एपल के चार स्टोर

इसके आगे कुक ने कहा हम भारत में जो उत्साह देख रहे हैं, उससे काफी खुश हैं। भारत में हमने सर्वकालिक रिकार्ड राजस्व दर्ज किया है। भारत में अभी दो स्टोर खोले गए हैं। एक स्टोर मुंबई में और दूसरा दिल्ली में खोला गया है। हम भारत में ग्राहकों के लिए चार नए स्टोर खोलने को उत्साहित हैं।

एपल ने भारत में पुणे, बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई को मिलाकर चार और स्टोर खोलने की योजना की अक्टूबर की शुरुआत में घोषणा की थी। काउंटरपाइंट रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर 2024 की तिमाही में भारत में मूल्य के लिहाज से एपल आइफोन की बिक्री में हिस्सेदारी 21.6 प्रतिशत रही जो सैमसंग (Samsung) से थोड़ी ही कम है।

आइपैड ने सात अरब डॉलर का राजस्व अर्जित किया। उत्पादों की बिक्री से एपल का राजस्व जुलाई-सितंबर 2023 तिमाही में 67.18 अरब डॉलर की तुलना में इस वर्ष समान अवधि में 4.12 प्रतिशत बढ़कर 69.95 अरब डॉलर हो गया। आइफोन की बिक्री सालाना आधार पर 43.8 अरब डॉलर से करीब 5.5 प्रतिशत बढ़कर 46.22 अरब डालर हो गई।

पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय एयरलाइन की नीलामी प्रक्रिया शुरू, जानिए एयरलाइन की कितनी लगी एक बोली

भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तानी की खस्ता अर्थव्यवस्था से हर कोई वाकिफ है। पिछले कई समय से यह देश अपनी अर्थव्यवस्था और नकदी के संकट को कम करने की कोशिश कर रहा है। अब इसके लिए पाकिस्तान ने अपने राष्ट्रीय एयरलाइन पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन को नीजिकरण करने का फैसला लिया है।

नई दिल्ली। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था लगातार खस्ता होती जा रही है। पाकिस्तान में नकदी की कमी है, जिसको पूरा करने के लिए पाकिस्तान सरकार सरकारी उद्यमों को बेचकर अपनी अर्थव्यवस्था को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में अब पाकिस्तान सरकार ने अपने राष्ट्रीय एयरलाइन को निजीकरण करने का फैसला लिया है।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन (Pakistan International Airlines) की निजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई। दरअसल, पाकिस्तान के इस एयरलाइन की हालत अच्छी नहीं है। पिछले साल एयरलाइन के पास ईंधन के लिए पेमेंट खत्म हो गई थी, जिसके बाद एयरलाइन के परिचालन में कटौती हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरालइन पाकिस्तान की चौथी सबसे बड़ी घाटे वाली कंपनी है।

किस-किस ने लगाई बोली

पाकिस्तान की एयरलाइन कंपनी की प्राइवेटाइजेशन प्रोसेस 31 अक्टूबर 2024 से शुरू हुआ था। इसमें एयरलाइन को केवल एक बोली ही मिली थी। जी हां, रियल एस्टेट ग्रुप ब्लू वर्ल्ड सिटी ( ) ने 60 फीसदी हिस्सेदारी के लिए 36 मिलियन डॉलर की बोली लगाई। यह बोली सरकार की उम्मीद और एयरलाइन की न्यूनतम कीमत से काफी कम है।

प्राइवेटाइजेशन कमिटी ने नीलामी का न्यूनतम मूल्य लगभग 306 मिलियन डॉलर तय किया था। ऐसे में ब्लू वर्ल्ड सिटी द्वारा लगाई गई बोली 306 मिलियन डॉलर की कीमत का 8.5 हिस्सा है। एयरलाइन की नीलामी के लिए छह कंपनियां शॉर्टलिस्ट हुई थी, लेकिन इन कंपनियों ने 'बयाना राशि' जमा नहीं की जिसकी वजह से वह बोली लगाने के पात्र नहीं है।

ब्लू वर्ल्ड ग्रुप पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन के संचालन को फिर से शुरू करने की प्लानिंग कर रहा है। इसके लिए वह चाहते हैं चीनी और तुर्की निवेशक उन्हें वित्तीय सहायता करें।

एयरलाइन शेयर का हाल

न्यूज एजेंसी ट्रिब्यून ने ब्लू वर्ल्ड सिटी के मालिक साद नजीर का हवाला देते हुए कहा कि हम सरकारी कीमत पर विचार कर रहे हैं। लेकिन हम 10 अरब रुपये की सर्वश्रेष्ठ कीमत पर टिके रहेंगे। एयरलाइन की नीलामी का सौधा प्रसारण किया गया था।

नीलामी के समय एयरलाइन के शेयर तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे, परंतु जैसे ही नीलामी का सेशन खत्म होता है PIA Share में 5 फीसदी की गिरावट आ जाती है।

कई बदलावों की हो रही थी मांग

न्यूज एजेंसी एएनआई ने पिछले महीने अक्टूबर की शुरुआत में एआरवाई न्यूज का हवाला देते हुए बताया कि कंपनियां बोली लगाने वाले शर्तों में बदलाव की मांग कर रही है। इनमें से मुख्य मांग थी कि एयरलाइन की सभी कर्मचारियों को बर्खास्त किया और एयरलाइन की 75 फीसदी को टेकओवर किया जाए।

किसानों के अकाउंट में कब तक आएगी 19वीं किस्त, लाभ पाने के लिए जल्द करना होगा ये काम

5 अक्टूबर को किसानों के अकाउंट में पीएम किसान योजना की 18वीं किस्त जारी की थी। अब करोड़ों किसान 19वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे कि किसानों के अकाउंट में 19वीं किस्त की राशि कब आएगी। बता दें कि योजना का लाभ पाने के लिए ई-केवाईसी जरूरी है।

नई दिल्ली। इस महीने 5 अक्टूबर 2024 को पीएम किसान योजना (PM Kisan Samman Nidhi Yojana) की 18वीं किस्त जारी की थी। इस किस्त के जारी होने के बाद अब किसान 19वीं किस्त की आस लगाए बैठे हैं। अगर आप भी पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त (PM Kisan Yojana 19th Installment) का इंतजार कर रहे हैं तो हम आपको बताएंगे कि यह किस्त कब जारी होने वाली है।

पीएम किसान योजना के बारे में

केंद्र सरकार ने साल 2018 में देश के किसानों को आर्थिक लाभ देने के लिए पीएम किसान सम्मान निधि योजना शुरू की थी। इस योजना में किसानों को सालाना 6,000 रुपये दी जाती है। यह राशि किस्त में मिलती है। हर किस्त में किसानों के अकाउंट में 2,000 रुपये की राशि आती है। इस योजना की खासियत है कि इसमें किसानों के बैंक अकाउंट में डायरेक्ट आती है।

कब आएगी 19वीं किस्त

पीएम किसान योजना की किस्त साल में तीन बार आती है। इसका मतलब है कि हर चार महीने में किस्त की राशि आती है। अक्टूबर में 18वीं किस्त आई है और इसके चार महीने के बाद यानी फरवरी 2025 में 19वीं किस्त आएगी। हालांकि, अभी तक सरकार ने 19वीं किस्त को लेकर कोई अधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

ई-केवाईसी है जरूरी

पीएम किसान योजना का लभ पाने के लिए किसानों को ई-केवाईसी (E-Kyc) करवाना जरूरी है। अगर कोई किसान ई-केवाईसी नहीं करवाते हैं तो उन्हें योजना का लाभ नहीं मिलेगा। किसान तीन तरीकों से ई-केवाईसी करवा सकते हैं।

ओटीपी आधारित eKYC
बायोमेट्रिक आधारित eKYC
फेस ऑथेंटिकेशन आधारित eKYC

लाभार्थी लिस्ट में चेक करें नाम

सरकार लाभार्थी किसानों की सूची जारी कर देते हैं। इन सूची में अपना नाम चेक करके किसान जान सकते हैं कि उन्हें योजना का लाभ मिलेगा या नहीं। लाभार्थी लिस्ट में नाम चेक करने का स्टेप-

पीएम किसान की ऑफिशियल वेबसाइट (https://pmkisan.gov.in/) पर जाएं।

अब यहां पर ₹Beneficiary Status₹ के ऑप्शन को सेलेक्ट करें।

इसके बाद अपना आधार नंबर या फिर बैंक अकाउंट नंबर नंबर भरें।

अब ₹Get Data₹ को सेलेक्ट करें।

इसके बाद आपको स्क्रीन पर अपनी सभी डिटेल्स शो हो जाएगी। इन डिटेल्स के जरिये आप चेक कर सकते हैं कि आपको योजना का लाभ मिलेगा या नहीं।

आज से बदल गया भारतीय रेलवे का नियम, अब 60 दिन पहले से शुरू होगी टिकट बुकिंग

1 नवंबर 2024 से भारतीय रेलवे के एडवांस टिकट बुकिंग के नियमों में बदलाव हुआ है। अब यात्री 4 महीने पहले ट्रेन की टिकट बुक नहीं करवा सकते हैं। भारतीय रेलवे ने इस समयसीमा को घटाकर 6 दिन यानी 2 महीना कर दिया है। ऐसे में सवाल आता है कि जिन यात्रियों ने पहले से टिकट बुक की है उनका क्या होगा?

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे के नियम (Indian Railway Rule) में आज से बदलाव हुआ है। जी हां, आज से रेलवे टिकट की एडवांस बुकिंग के नए नियम(Advance Train Ticket Booking Rule) लागू हो गए हैं। नए नियम के अनुसार अब 60 दिन यानी 2 महीने पहले ही एडवांस ट्रेन टिकट की बुकिंग होगी। इससे पहले यात्री 120 दिन पहले ट्रेन की टिकट बुक कर सकते थे।

अब भारतीय रेलवे के नए नियम लागू हो जाने के बाद कई पैसेंजर के मन में सवाल है कि जिन्होंने पहले ही टिकट बुक किया उनका क्या है। इसके अलावा भारतीय रेलवे ने एडवांस टिकट बुकिंग के समय में क्यों बदलाव किया है। हम आपको नए नियमों से जुड़े कुछ सवालों का जवाब इस आर्टिकल में देंगे।

क्यों लागू हुआ ये नियम

रेल मंत्रालय के अनुसार 120 दिनों के एडवांस टिकट बुकिंग में वह काफी ज्यादा कैंसिलेशन और सीटों की बर्बादी देख रहे थे। 120 दिन के एडवांस टिकट बुकिंग में 21 फीसदी टिकट कैंसिल हो जाती है और 4 से 5 फीसदी लोग यात्रा नहीं करते हैं। इसके अलावा कई बार यात्री टिकट कैंसिल नहीं करवाते हैं और यात्रा भी नहीं करते है। इसमें धोखाधड़ी होने की संभावना बढ़ जाती है और जरूरतमंद को सीट नहीं मिलती है। भारतीय रेलवे के अनुसार यात्री 4 महीने पहले टिकट की बुकिंग कर देते हैं, जबकि अधिकतम टिकट की बुकिंग यात्रा के 45 दिनों के भीतर होती है। इन सभी कारणों के वजह से भारतीय रेलवे ने एडवांस टिकट बुकिंग के समय को 120 दिन से घटाकर 60 दिन कर दिया।

पहले से टिकट बुक करवाया है उनका क्या होगा?

भारतीय रेलवे ने साफ कर दिया है कि यह नियम 1 नवंबर से लागू होगा। इसका मतलब है कि 31 अक्टूबर तक एडवांस बुकिंग का टेन्योर 120 दिन का ही था। यानी अगर आपने 4 महीने बाद की टिकट बुक की है तो आप आसानी से यात्रा कर सकते हैं।

बता दें कि नए नियम के तहत 60 दिनों से ज्यादा की बुकिंग पर कैंसिलेशन की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट बुकिंग का समय सीमा 365 दिन ही है। इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है।

इन्हें होगा फायदा और नुकसान?

दीवाली और छठ महापर्व के मौके पर रेलवे स्टेशन पर काफी भीड़ देखने को मिली है। कई यात्रियों ने शिकायत की है कि उन्हें रिजर्वेशन नहीं मिला है। इस कारणवश लोगों को जनरल श्रेणी में सफर करना पड़ रहा है। फेस्टिव सीजन में ट्रेन की टिकट की कालाबाजारी बढ़ जाती है। इससे रेलवे को भारी नुकसान होता है। ऐसे में एडवांस टिकट बुकिंग की समयसीमा को कम करके कालाबाजारी पर रोक लगाने की कोशिश की जाएगी।

भारतीय रेलवे के इस नियम का फायदा स्पेशल ट्रेनों को होगा। दरअसल, कम कैंसिलेशन और यात्रियों की भीड़ से अंदाजा लगाया जा सकता है, जिसको देखते हुए भारतीय रेलवे द्वारा सही कदम उठाया जाएगा।

लोग धड़ाधड़ कर रहे यूपीआई, अक्टूबर में लेनदेन का आंकड़ा 23.5 लाख करोड़ रुपये पार

यूपीआई ने ऑनलाइन पेमेंट को काफी आसान कर दिया है। हर महीने यूपीआई एक नया रिकॉर्ड दर्ज करता है। पिछले महीने अक्टूबर में भी यूपीआई के नाम एक नया रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। साल 2016 में यूपीआई के चालू होने के बाद से एक महीने में सबसे अधिक संख्या में यूपीआई ट्रांजैक्शन हुआ है।

नई दिल्ली। यूपीआई आधारित डिजिटल लेनदेन में वृद्धि जारी है। अक्टूबर महीने में यूपीआई से देश में 23.5 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 16.58 अरब लेन-देन हुए। यह अप्रैल 2016 में यूपीआई के चालू होने के बाद से एक महीने में सबसे अधिक संख्या है। शुक्रवार को भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, सितंबर की तुलना में अक्टूबर में मात्रा में 10 प्रतिशत और मूल्य में 14 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। अक्टूबर में दैनिक यूपीआई लेनदेन मात्रा के हिसाब से 53.5 करोड़ और मूल्य के हिसाब से 75,801 करोड़ रुपये को पार कर गया, जबकि सितंबर में यह 50.1 करोड़ रुपये और 68,800 करोड़ रुपये था।

अक्टूबर में 46.7 करोड़ इमीडिएट पेमेंट सर्विस (आईएमपीएस) लेनदेन हुए, जो सितंबर में 43 करोड़ से नौ प्रतिशत अधिक हैं। मूल्य के हिसाब से, आईएमपीएस लेनदेन सितंबर के 5.65 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 11 प्रतिशत बढ़कर 6.29 लाख करोड़ रुपये हो गए।

फास्टैग लेनदेन की संख्या सितंबर के 31.8 करोड़ की तुलना में अक्टूबर में आठ प्रतिशत बढ़कर 34.5 करोड़ हो गई। अक्टूबर में 6,115 करोड़ रुपये के लेनदेन हुए, जो सितंबर में 5,620 करोड़ रुपये थे। अक्टूबर में आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (एईपीएस) पर 12.6 करोड़ लेनदेन हुए जो सितंबर के 10 करोड़ से 26 प्रतिशत अधिक है। डिजिटल भुगतान की हिस्सेदारी मार्च, 2021 के 14-19 प्रतिशत से दोगुनी होकर मार्च, 2024 में 40-48 प्रतिशत हो गई।

इसमें यूपीआई की भूमिका महत्वपूर्ण है। यूपीआई आधारित लेनदेन की मात्र इस साल की पहली छमाही में 52 प्रतिशत बढ़कर 78.97 अरब हो गई जो पिछले साल की समान अवधि में 51.9 अरब थी। इसी तरह लेनदेन का मूल्य इस साल के पहले छह महीनों में 40 प्रतिशत बढ़कर 83.16 लाख करोड़ रुपये से 116.63 लाख करोड़ रुपये हो गया।

रिटायर होने से पहले बड़े आदेश सुनाएंगे सी.जे.आई. डीवाई चंद्रचूड़, लिस्ट मे अहम केस। एल.एम.वी. लाइसेंस पर भी होगा महत्वपूर्ण आदेश:-

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को होने जा रहे हैं रिटायर

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। शनिवार और रविवार को कोर्ट बंद रहेगा. ऐसे में सीजेआई 4 से 8 नवंबर तक ही सुनवाई करेंगे. रिटायरमेंट से पहले उनके पास सीजेआई के रूप में पांच दिन का समय बचा है. इन पांच दिनों में सीजेआई की बेंच 5 अहम मामलों में फैसला सुनाएगी. ऐसे में हर किसी की नजर इन फैसलों पर रहेगी. दरअसल, अभी दिवाली की छुट्टियों की वजह से सुप्रीम कोर्ट बंद है. अब अदालत 4 नवंबर को खुलेगा. सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच को 4 से 8 नवंबर तक कई बड़े मामलों में फैसला सुनाना है. क्योंकि 9 और 10 नवंबर को शनिवार और रविवार होने की वजह से सुप्रीम कोर्ट बंद रहेगा, ऐसे में डीवाई चंद्रचूड़ के लिए 8 नवंबर सीजेआई के रूप में आखिरी दिन होगा.

यह हैं वह पांच केस जिन पर रिटायर होने से पहले सीजेआई सुनाएंगे फैसला.

1. मदरसा एक्ट मामला:- मदरसा एक्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 22 अक्टूबर को सुनवाई करके फैसला सुरक्षित रख लिया था. सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार 22 अक्टूबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई थी, जिसमें उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को असंवैधानिक घोषित किया गया था.

2. ए.एम.यु. का माइनॉरिटी स्टेटस :- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के माइनॉरिटी स्टेटस को लेकर भी काफी समय से सुनवाई हो रही है. इस मामले में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की 7 जजों की पीठ ने आखिरी सुनवाई के दौरान फैसला सुरक्षित रखा था. अब देखना होगा कि सीजेआई एएमयू को अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा देने के पक्ष में हैं या इसके खिलाफ.

3. एल.एम.वी. लाइसेंस का मामला:- एल.एम.वी लाइसेंस मामले में आखिरी सुनवाई 21 अगस्त को हुई थी. तब सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था. इस केस में विवाद यह है कि लाइटर मोटर व्हीकल के लाइसेंस धारकों को 7500 किलोग्राम से ज्यादा वजन वाले लाइट मोटर व्हीकल क्लास के परिवहन वाहन को चलाने की अनुमति है या नहीं. कोर्ट को यह तय करना है कि क्या हल्के मोटर वाहन लाइसेंस धारक को उसी कैटेगरी के परिवहन वाहन चलाने की अनुमति है या नहीं. इस मुद्दे के चलते ऐसे वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं से संबंधित बीमा दावों पर विवाद पैदा हो गया है.

4. दिल्ली के रिज एरिया में पेड़ों की कटाई:- दिल्ली के रिज एरिया में पेड़ों की अवैध कटाई को लेकर एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में डाली गई थी. इसमें बताया गया था कि कैसे सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करते हुए पेड़ों की कटाई की गई. सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच को इस मामले में भी अहम फैसला सुनाना है.

5. संपत्ति का पुनर्वितरण:- चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की नौ जजों की पीठ संविधान के अनुच्छेद 39(बी) पर भी सुनवाई कर रही है, जो आम भलाई के लिए संपत्ति के पुनर्वितरण से संबंधित है. संपत्ति के वितरण के संबंध में कांग्रेस ने इस राजनीतिक चर्चा को शुरू किया था उसी के बाद यह मामला कोर्ट में पहुंचा.।

कटक सीडीए के न्यू बर्न &पीडिएटीक हेल्थ सेंटर को जिला प्रशासन ने सील किया

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

कटक/भुबनेस्वर :कटक सीडीए के न्यू बर्न &पीडिएटीक हेल्थ सेंटर अस्पताल में चिकित्सकीय लापरवाही के कारण बच्चे की मौत के मामले में जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई। कटक उपजिलापाल के नेतृत्व में 4 सदस्यीय टीम ने अस्पताल पहुंचकर जांच की । उपजिलापाल ने अस्पताल को बिना वित्तीय अनुमति के अवैध रूप से चलाने का सबूत मिलने के बाद अस्पताल को सील करने का आदेश दिया। चूंकि 8 बच्चों का इलाज चल रहा है, इसलिए सात दिन के अंदर बच्चों को दूसरे अस्पताल में स्थानांतरित कर अस्पताल को सील कर दिया जाएगा। परिजन चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए पिछले शनिवार से मेडिकल सेंटर के सामने बैठे हुए हैं।जाजपुर के एक नवजात की उक्त अस्पताल में चिकित्सकीय लापरवाही के कारण मृत्यु हुआ ।रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों ने वेंटिलेटर सुविधाओं के बावजूद उचित देखभाल में लापरवाही का आरोप लगाया। अस्पताल ने बताया कि बच्चा वेंटिलेटर सुविधा में था, वेंटिलेटर में नहीं था और मरीज से भारी रकम ली और OCESCCHR नियम 2018 का उल्लंघन करते हुए CGHS दर चार्ट से अधिक चार्ज किया। अनधिकृत अस्पताल का नाम न्यू बर्न &पीडिएटीक हेल्थ सेंटर।डॉक्टर की लापरवाही से बच्चे की मौत की जांच की मांग को लेकर कटक सीडीए में न्यू बोर्न हेल्थकेयर हॉस्पिटल के सामने विरोध प्रदर्शन।

सुंदरगढ़ में अय्यूब के दो कुलों के बीच झड़प; 5 मरे, 10 घायल

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेस्वर : गुटीय संघर्ष में 5 लोगों की जान चली गई। सुंदरगढ़ करमडीही गीतापाड़ा में गुटीय झड़प हुई। जिसमें 3 महिलाओं समेत 5 लोगों की मौत हो गई। जबकि 10 घायल हो गए, सभी को सुंदरगढ़ जिला सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है।2 अय्यूब के कुलों के बीच संघर्ष में पाँच लोगों की मृत्यु हो गई।कल आधी रात को 2 गुटों में झड़प हो गई। मृतकों में 3 महिला और 2 पुरुष पर चाकू और भुजाली से हमला करने का आरोप है। आशंका है कि हत्या परकिया के आसपास हुई है। तनाव बरकरार रहने के कारण घटनास्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पश्चिम डीआइजी और सुंदरगढ़ एसपी पहुंच गये हैं और पुलिस की जांच जारी है।

बदायूं में भीषण सड़क हादसा 6 की मौत, 5 गंभीर रूप से घायल

रितेश राव बदायूं: उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले मुजरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत नोएडा- दिल्ली हाईवे पर भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई तथा पांच लोंगो को गंभीर चोटें आई हैं। बृहस्पतिवार कि सुबह करीब सात बजे पिकअप की टक्कर टेंपो से हो गयी। टक्कर इतना तेज था कि टेंपो के परखच्चे उड़ गए। टक्कर मुजरिया गांव के पास हुआ ।हादसे के बाद सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों के मदद से सभी को अस्पताल भिजवाया, जहां छह लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। जानकारी के मुताबिक ये सभी लोग नोएडा में काम करते थे। ये नोएडा से टेंपो में बैठकर दीपावली की खुशियां मानाने गांव जा रहे थे। तभी अचानक से गांव से निकली एक पिकअप से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार टेंपो में पीछे से टक्कर मारते हुए डिवाइडर से जा टकराई। हादसे के बाद कार सवार वहां से भाग गया।

मृतकों में एक ही परिवार के चार लोग शामिल

पुलिस के अनुसार मरने वालों की पहचान बरेली के रहने वाले कन्हई (35) वर्ष, उनकी पत्नी कुसुम (30) वर्ष, बेटा कार्तिक (8) वर्ष और उनकी बेटी शीनू जिसकी उम्र महज (5) वर्ष है। एक और मृतक जिसकी पहचान मिर्जापुर निवासी अतुल (31) वर्ष के रूप में हुई है। अभी एक युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक दुर्घटना में पांच लोग घायल हुए हैं जिनकी पहचान कप्तान सिंह, मनोज, मेघ सिंह, धर्मवीर व अमन के रूप में हुई। सभी घायलों का इलाज राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं जिला अस्पताल में चल रहा है, कुछ कि हालत नाजुक बताई जा रही है।

अहिंसा के प्रकाश का उजाला हो चारों ओर....।

'अहिंसा के प्रकाश का उजाला हो चारों ओर
प्रभु महावीर के निर्वाण
पंथ पर विश्व बढ़ता जाये।
आओ हम सब मिलकर
प्रभु महावीर के नाम का दीपक जलाएं
त्याग के पंथ पर बढ़ते हुए
विश्व शांति का दीपक जलाएं।
नहीं बैर किसी से
नहीं भेदभाव हो
संसार में सभी प्राणियों में मैत्री भाव हो
नहीं सताये किसी जीव को
ऐसी भावना हम सभी की हो
आओ प्रभु महावीर के नाम पर एक दीपक जलाएं।
ध्वनि प्रदुषण की मुक्ति
के लिए नहीं फटाके फोडे हम
जीव जन्तु पशु पक्षियों का ध्यान रखें हम
एक दीपक प्रभु महावीर के नाम का जलाएं हम।
खुशियां हमारे भगवान के मोक्ष निर्वाण दिवस की
वीर निर्वाण सम्वत 2551 की
यह खुशी मनाये हम
एक दीपक प्रभु महावीर के नाम का जलाएं।
वैराग्य लक्ष्मी के लिए
हम मानव कल्याण की राह पर आगे बढ़ते जाये
दीपमालाओं के इन दीपकों से
वीर प्रभु के निर्वाणमहोत्व पर
अहिंसा के प्रकाश उजाला हो चारों ओर
प्रभु महावीर के नाम पर
एक दीपक जलाएं।

हरिहर सिंह चौहान

भगवान महावीर ने दुनिया को सत्य एवं अहिंसा का संदेश दिया और मुक्ति की सच्ची राह भी बतायी : पंकज जैन

भगवान महावीर ने अपने उपदेशों और प्रवचनों से दुनिया को सही राह दिखाई और मार्गदर्शन किया : पंकज जैन

आगरा,संजय साग़र सिंह। जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर का निर्वाण महोत्सव कार्तिक अमावस्या के पावन दिन मनाया जाता है। इस वर्ष यह पावन अवसर 1 नवम्बर को विभिन्न जैन मंदिरों और पावापुरी में भक्तिमय माहौल में संपन्न होगा। जैन धर्मावलम्बी इस दिन को निवाणीत्सव के रूप में मनाते हैं और भगवान महावीर को लड्डू अर्पित करते हुए उनके उपदेशों पर चलने का संकल्प लेते हैं। इस अवसर पर पंकज जैन ने कहा,- मोक्ष कल्याणक पर्व पर हर घर में दियो की रोशनी हो, हर मन में एक दूसरे का सम्मान हो, समर्पण का, धन एवं अभिमान का त्याग हो और वैभव का वैराग्य हो। त्याग, तप, साधना, आराधना की प्रति मूर्ति, जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण (मोक्ष कल्याणक पर्व) की सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं।

श्री जैन ने कहा,- भगवान महावीर के संदेश रजिओ और जीने दोर को फैलाने के लिए जैन समाज दीपावली पर पटाखों का प्रयोग नहीं करता। उनका मानना है कि पटाखे चलाने से जीव-जंतुओं, विशेषकर सूक्ष्म जीवों, को नुकसान पहुंचता है और यह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक होता

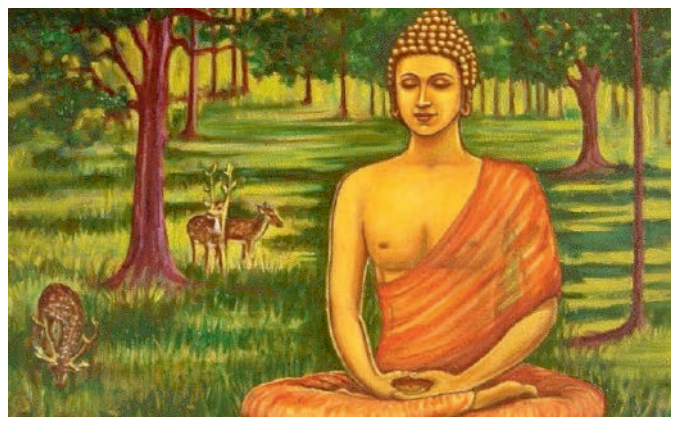

है। जैन धर्मावलंबी इस पर्व को शांति और सद्भाव के साथ मनाते हैं, जिससे वे प्रकृति और जीवों के प्रति अपने दायित्व को निभाते हैं। भगवान महावीर के दिव्य-संदेश जिओ और जीने दो को जन- जन तक पहुंचाने के लिए जैन धर्मावलंबी दीपावली पर पटाखों से परहेज करते हैं। जैन समाज के लोग पर्यावरण और जीव-जंतुओं की रक्षा के लिए दीपावली पर पटाखे नहीं चलाते। वे मानते हैं कि पटाखे चलाने से जीव-जंतुओं, खासकर सूक्ष्म जीवों की हिंसा होती है और पर्यावरण पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ता हैं।

उन्होंने आगे कहा,- जैन धर्मावलंबी इस दिन नए बही खातों का मुहूर्त करते हुए भगवान गणेश और माँ लक्ष्मी की पूजा करते हैं। जैन मान्यता के अनुसार, गौतम गणधर ही भगवान गणेश का स्वरूप माने जाते हैं, जो समस्त विघ्नों का नाश करते हैं। कैवल्य ज्ञान की पूजा ही लक्ष्मी की पूजा मानी जाती है, जो ज्ञान और समृद्धि की प्रतीक है। इस निवाणीत्सव के माध्यम से जैन समाज भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य, और करुणा के दिव्य संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास करता है, ताकि हर कोई रजिओ और जीने दोर के सिद्धांत को अपनाकर समाज में शांति और सौहार्द का वातावरण बना सके।

उन्होंने कहा,- भगवान महावीर ने दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया। तीर्थंकर महावीर स्वामी ने अहिंसा को सबसे उच्चतम नैतिक गुण बताया। उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताए, जो है- अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य। महावीर ने अपने उपदेशों और प्रवचनों के माध्यम से दुनिया को सही राह दिखाई और मार्गदर्शन किया। भगवान महावीर, ऋषभदेव से प्रारंभ हुई वर्तमान चौबीसी के अंतिम तीर्थंकर थे। प्रभु महावीर प्रारंभिक तीस वर्ष राजसी वैभव एवं विलास के दलदल में 'कमल' के समान रहे। मध्य के बारह वर्ष घनघोर जंगल में मंगल साधना और आत्म जागृति की आराधना में, बाद के तीस वर्ष न केवल जैन जगत या मानव समुदाय के लिए अपितु प्राणी मात्र के कल्याण एवं मुक्ति मार्ग की प्रशस्ति में व्यतीत हुए। भगवान महावीर का आत्म धर्म जगत की प्रत्येक आत्मा के लिए समान था। दुनिया की सभी आत्मा एक-सी हैं इसलिए हम दूसरों के प्रति वही विचार एवं व्यवहार रखें जो हमें स्वयं को पसंद हो। यही महावीर का 'जीयो और जीने दो' का सिद्धांत है। इतने वर्षों के बाद भी भगवान महावीर का नाम स्मरण उसी श्रद्धा और भक्ति से लिया जाता है, इसका मूल कारण यह है कि महावीर ने इस जगत को न केवल मुक्ति का संदेश दिया, अपितु मुक्ति की सरल और सच्ची राह भी बतायी।

भारत अयोध्या दीपोत्सव 2024 -गज़ब का क़माल-भारत ने एक साथ दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बनाए

सातवीं बार अयोध्या भारत ने अपना ही वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़कर व महा आरती सहित दो वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना अद्भुत उपलब्धि
500 वर्षों के बाद प्रभु श्रीराम की हुजूरी में प्रथम दीपोत्सव व महा आरती का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज़ से देश गौरवविंत हुआ-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत को अगर पूरी दुनियाँ का आध्यात्मिक गुरु कहा जाए तो मेरा मानना हैअतिशयोक्ति नहीं होगी, क्योंकि यहां आदि-अनादि काल से ही आध्यात्मिकता भारत की मिट्टी में कूट-कूट कर भरी है इसलिए ही मनुष्य की किसी भी पीढ़ी ने अगर भारत की धरती पर जन्म लिया है, तो यह गुण उसकी पीढ़ी दर पीढ़ी में अपने आप समाहित होता चला जाता है और यह अत्यधिक आध्यात्मिकता का गुण व आस्था उसकी प्रतिष्ठा में चार चांद लगाते जाते हैं। यह बात आज हम पावन दीपावली पर्व के तीसरे दिन यांने लक्ष्मी पूजन 31 अक्टूबर 2024 को इसलिए कह रहे हैं क्योंकि कल दिनांक 30 अक्टूबर 2024 को पूरी दुनियाँ ने देख़ा कि किस तरह भारत की अयोध्या नगरी ने दीप प्रज्वलन का न सिर्फ अपना ही सातवीं बार रिकॉर्ड तोड़ा बल्कि सरयू घाट पर 1121 लोगों ने आरती कर एक और अद्भुत रिकॉर्ड बनाया जिसका प्रमाण पत्र 30 अक्टूबर 2024 को देर रात ही गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स क़े स्टाफ ने यूपी सीएम को दिया। बता दें इसकी तैयारी पिछले कई दिनों से, या यूँ कहें की महीनों से चल रही थी, जिसमें भारत ही नहीं अनेक देशों के कलाकारों ने भाग लिया।चूँकि सातवीं बार अपना ही वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड व सरयू मइयाँ की आरती सहित दो वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए जो अद्भुत उपलब्धि है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत अयोध्या दीपोत्सव 2024 गज़ब का कमाल, भारत ने एक साथ दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाएं।

साथियों बात अगर हम 30 अक्टूबर 2024 को रात्रि भारत के अयोध्या में दीपोत्सव व महा आरती का गिनीज़ रिकॉर्ड बनाने की करें तो की करें तो,देश में दिवाली का त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। 31अक्तूबर को दीपावली मनाई जा रही है, ऐसे में 30 अक्तूबर को देश में छोटी दिवाली मनाई गई। इस मौके पर अयोध्या में 7 वें दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 25 लाख 12 हजार 585 दीप जलाकर नया रेकॉर्ड कायम किया गया। इसके अलावा 1121 लोगों ने एक साथ आरती में हिस्सा लेकर दूसरा रेकॉर्ड भी कायम किया गया। दीपोत्सव के लिए 6 बजकर पांच मिनट पर दीप जलाने का समय निर्धारित किया गया था। मंच से आदेश होने के बाद स्वयंसेवकों ने निर्धारित 25 मिनट के समयांतराल में 28 लाख दीप प्रज्ज्वलित कर दिए। इसके बाद गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स की तरफ से दीयों की गिनती की गई। घाट संख्या 1 से 55 तक जले दीयों की संख्या ड्रोन से 28 लाख से ज्यादा गिनी गई। इसके बाद गिनीज बुक की ओर से योगी सीएम को वर्ल्ड रेकॉर्ड का सर्टिफिकेट सौंपा गया।गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' के निर्णायक ने बुधवार शाम को नए रिकॉर्ड की घोषणा की, जहां वे गिनीज कंसल्टेंट के साथ सत्यापन के लिए आए थे। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग, अयोध्या जिला प्रशासन और सरयू आरती समिति सबसे अधिक 1,121 लोगों द्वारा आरती करने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के खिताब धारक हैं। आप सभी को बधाई हो। दूसरे रिकॉर्ड के बारे में गिनीज निर्णायक दल ने कहा, कुल 25,12,585

दीये जलाकर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग, अयोध्या जिला प्रशासन और डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, सबसे अधिक दीयों के एक साथ प्रज्वलन के लिए नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के खिताब धारक हैं।ये एक विश्व रिकॉर्ड है, जब किसी घाट पर 25 लाख दीये जलाए गए हों। इसके लिए स्थानीय कारीगरों से 28 लाख दीये मंगवाए गए थे, ताकि अगर किसी कारणवश 10 फीसदी दीये अगर खराब भी होते हैं तब भी 25 लाख दीयों को प्रज्वलित किया जा सके।रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहले दीपोत्सव पर रामनगरी के संत-महंत खासतौर पर उल्लासित रहे। उन्होंने कहा कि ऐसा लगा मानो फिर से त्रेता युग लौट आया हो। इस पर्व को उन्होंने आस्था और श्रद्धा निवेदित करने का अद्वितीय अवसर बताया। इसके लिए सीएम के योगदान की सराहना भी की।संत समाज ने सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्रीरामलला के पुनः अपने महल में विराजमान होने का यह दिव्य अवसर सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है। संतों का कहना है कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने अयोध्या की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को फिर से संजीवित किया है। इससे संपूर्ण संत समाज में बहुत प्रसन्नता है।

साथियों बात अगर हम 30 अक्टूबर 2024 को रात्रि अयोध्या भारत में अति उत्साह की करें तो,बता दें कि यूपी के अयोध्या में दिवाली को लेकर खासा उत्साह नजर आ रहा है।यहां के घाटों को दीयों से जगमग किया गया हैऔर कई रंगारंग कार्यक्रम हो रहे हैं। इस बीच सरयू घाट पर लेजर और लाइट शो भी चल रहा है, जो दर्शकों का मन मोह रहा है। इसका वीडियो भी सामने आया है। वहीं घाट को दीयों और रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाते हुए, ध्वनि प्रकाश शो के माध्यम से राम लीला का वर्णन किया जा रहा है। श्रीराम मंदिर के प्रमुख गेटों पर तोरण द्वार बनाए गए। कई कुंतल फूलों से पूरी अयोध्या नगरी सजाई गई। सुबह शोभायात्रा में 18 झांकियां निकलीं। दीपोत्सव के 25,12,585 दीपों के लिए 30 हजार वालंटियरों नेहजारों लीटर सरसों का तेल दीपों में डाला। नेपाल, म्यामार, मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया, कंबोडिया के कलाकारों ने रामलीला का मंचन किया। देश-विदेश व प्रदेश के 1300 से अधिक कलाकारों की प्रतिभा को रामनगरी में मंच मिला। चौराहों पर रंगोली बनाकर समृद्धि की कामना की गई।श्रीराम मंदिर के प्रमुख गेटों पर तोरणद्वार बनाए गए। कई कुंतल फूलों से पूरी अयोध्या नगरी सजाई गई। सुबह शोभायात्रा में 18 झांकियां निकलीं। दीपोत्सव के 25,12,585 दीपों के लिए 30 हजार वालंटियरों ने हजारों लीटर सरसों का तेल दीपों में डाला। नेपाल, म्यामार, मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया, कंबोडिया के कलाकारों ने रामलीला का मंचन किया। देश-विदेश व प्रदेश के 1300 से अधिक कलाकारों की प्रतिभा को रामनगरी में मंच मिला। चौराहों पर रंगोली बनाकर समृद्धि की कामना की गई।

साथियों बात अगर हम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की 30 सदस्य टीम की कार्यशैली की करें तो,गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की 30 सदस्यीय टीम, जिसका नेतृत्व जो कर रहे हैं,तैयारियों की देखरेख किए ।उन्होंने रिकॉर्ड प्रयासों की घोषणा की और दीयों की सटीक माप सुनिश्चित करनेजैसी चुनौतियोंको उजागर किया।पूरे अयोध्या की बात करें तो करीब 35 लाख से अधिक दीये जलाने की सम्भावना है।दीपोत्सव के लिए चारों स्थलों को 55 घाटों में विभक्त किया गया है।

साथियों बात अगर हम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को जानने की करें तो, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स,जिसे मूल रूप से गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स कहा जाता है -रिकॉर्ड तोड़ने वाली उपलब्धियोंका सर्वोच्च प्राधिकरण है, इसकी शुरुआत पबों में होने वाले विवादों को सुलझाने के लिए तथ्यों की एक पुस्तक बनाने के विचार के रूप में हुई थी।आज गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स एक वैश्विक ब्रांड है, जिसके लंदन, न्यूयॉर्क, बीजिंग, टोक्यो और दुबई में कार्यालय हैं, तथा दुनिया भर में इसके ब्रांड एंबेसडर और निर्णायक मौजूद हैं।अविश्वसनीय घटनाओं को दस्तावेजित करने का हमारा मिशन आज भी प्रत्येक वर्ष हमारी पुस्तक के पन्नों पर देखा जा सकता है, तथा टीवी शो, सोशल मीडिया और लाइव कार्यक्रमों के माध्यम से भी देखा जा सकता है।चाहे यह व्यक्तिगत जीवन भर का सपना हो, या 5000 लोगों की कंपनी में सामूहिक प्रयास हो, रिकार्ड तोड़ने की शक्ति को आसानी से देखा जा सकता है, और यह दुनिया भर में हर दिन आश्चर्यजनक उपलब्धियों और उपलब्धियों को प्रेरित करती रहती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत अयोध्या दीपोत्सव 2024-गज़ब का क़माल-भारत ने एक साथ दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बनाए।सातवीं बार अयोध्या भारत ने अपना ही वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़कर व सरयू आरती सहित दो वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना अद्भुत उपलब्धि।500 वर्षों के बाद प्रभु श्रीराम की हुजूरी में प्रथम दीपोत्सव व सरयू आरती का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज़ से देश गौरवविंत हुआ।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095 . newstransportvishesh@gmail .com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी . एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। **RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023**